मार्गशीर्ष शुक्ल - 7 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 134 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 08-12-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

JPRPARK INFRA LLP
रेरा रजि. नं. RAJ/P/2024/2965
www.rera.rajasthan.gov.in

मुख्यमंत्री जन आवास योजना

आज अंतिम दिन

मानसरोवर विस्तार
जयपुर में आवासीय फ्लैट्स
के अंतिम चरण हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना-3A
के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रियल एस्टेट रेगुलेशन एक्ट में पंजीकृत आवासीय योजना

आवेदन की अंतिम तिथि
8 दिसम्बर, 2024

1BHK पंजीकरण राशि ₹66,000 कुल राशि ₹24.5 लाख*

3BHK पंजीकरण राशि ₹96,000 कुल राशि ₹48 लाख*

जे पार्क
मानसरोवर विस्तार
जयपुर

90% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए 2 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

संपर्क करें
9358150067
9251625252

आवेदन हेतु
www.cmjanaawas.com

सहज स्मृति योग

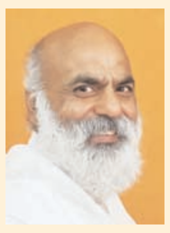

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न : गुरु जी, मैं अपनी दृष्टि में निरंतर अपने गुरु की सेवा में रहती हूँ जिससे परम सुखी, संतुष्ट और आनंदित भी रहती हूँ, लेकिन ऐसा लगता रहता है जैसे अभी भी कुछ तो है जो अप्राप्य है,वह क्या है? जब सोचती विचारती हूँ तो पाती हूँ कि ना तो मेरी या मेरे परिवार की, और न ही कोई आध्यात्मिक या सांसारिक चाहना या कमी या लालसा ऐसी है जो पूरी न हो गई हो। फिर भी ऐसा क्यों है ?

उत्तर: आश्रम के परमार्थिक प्रकल्प में परमात्मा के दर्शन और सेवा समझना और भाव रूप में इसका अनुभव करना कि आश्रम गुरु की देह ही है, यह गुरु दर्शन का स्थूल-तम स्तर है। आत्म स्वरूप दर्शन हेतु व्यक्ति रूप में जीवित गुरु की भूमिका अच्युत है क्योंकि, यथार्थ गुरु दर्शन का आरम्भ तो तब हुआ कहा जाता है जब वर्षों लंबी दीर्घ अवधि तक अपने व्यक्तित्व में निरंतर खोजते रहने पर भी कभी रत्ती भर भी अहंकार न मिले। परंपरा से यह दीर्घ अवधि बारह वर्ष तक की कही जाती है। ऋषिकालीन भारत में सैंतीस अड़तीस वर्ष की अवस्था तक आते आते आचार्यगण इस विवेक ख्याति अवस्था को उपलब्ध हो जाते थे। अहंकार के सर्वनाश होने पर ही प्राप्य वस्तु का यथार्थ बोध होना आरम्भ होता है। उससे पूर्व अतृप्तता रहती ही रहती है। पर, यह शुभ लक्षण है। यह अतृप्ति तभी तृप्ति में रूपांतरित होकर चिर स्थायी शांति होती है जब अहंकार शून्य होकर ईश्वरीय स्मृति और श्रुति का ऐक्य हो जाता है ।श्रुति कोई विलग वस्तु नहीं है बल्कि, वह आप ही का रूपांतरण है। गुरु प्रकट होने पर गुरूर सदा के लिए तिरोहित हो जाता है और उसके स्थान पर चिर स्थाई अकिंचनता हृदय में बनी रहती है।उससे भी एक तरह की कभी न बुझने वाली अतृप्ति या तृषा रहती है पर वह निरंतर भरे जाते रहने के भाव के साथ साथ ही रहती है इसलिए अपूर्णता नहीं बल्कि पूर्णता की ही अनुभूति देती रहती है। इसी से ऐसा लगता रहता है कि जैसे कुछ शेष या अप्राप्य हो ।

मुख्यमंत्री फडणवीस, उपमुख्यमंत्रियों ने विधायक के रूप में शपथ ली

विपक्ष ने समारोह का बहिष्कार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के दो दिन बाद शनिवार को देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ विधायक के रूप में शपथ ली, जबकि विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी ने ईवीएम के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए समारोह का बहिष्कार किया।

विपक्षी सदस्यों ने सदन के तीन दिवसीय विशेष सत्र के पहले दिन विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ लेने से इनकार कर दिया और उन्होंने सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के भारी जनादेश और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। पूर्वाह्न 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने के तुरंत बाद विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर कालिदास कोलंबकर ने फडणवीस, शिंदे और पवार को विधायक के तौर पर शपथ दिलाई। उनसे पहले, चैनसुख संचेती और जयकुमार रावल (दोनों भाजपा), माणिकराव कोकाटे (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) और आशीष जायसवाल (शिवसेना) ने शपथ ली। ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने उन्हें प्रोटेम स्पीकर पैनल के सदस्य के रूप में नियुक्त किया। इन चारों ने शनिवार को सदन के सदस्य के रूप में सबसे पहले शपथ ली। नागपुर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले मुख्यमंत्री फडणवीस ने राज्य विधानमंडल के निचले सदन के सदस्य के रूप में छठी बार शपथ ली। वह पहली बार 1999 में विधायक चुने गए थे। जब 'प्रोटेम स्पीकर' ने फडणवीस का नाम पुकारा, तो सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मेज थपथपाकर उनका स्वागत किया। कुछ सदस्यों ने ''जय श्री राम'' और ''जय भवानी, जय शिवाजी'' के नारे लगाए।

बातचीत के मूड में नहीं मोदी सरकार, आज दिल्ली की ओर मार्च करेंगे 101 किसान: पंधेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने शनिवार को कहा कि किसानों को उनके मुद्दों पर बातचीत के लिए केंद्र सरकार की ओर से कोई संदेश नहीं मिला है, लिहाजा 101 किसानों का एक समूह आठ दिसंबर को दिल्ली की ओर मार्च शुरू करेगा।

शुक्रवार को पंजाब-हरियाणा सीमा पर सुरक्षाकर्मियों द्वारा आंसू गैस के गोले दागे जाने के कारण कुछ किसानों के घायल होने के बाद प्रदर्शनकारी किसानों ने राष्ट्रीय राजधानी की ओर अपना पैदल मार्च स्थगित कर दिया था। किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी समेत विभिन्न मांगों को पूरा करने का दबाव बना रहे हैं। शनिवार को पंजाब-हरियाणा सीमा पर शंभू में मीडिया को संबोधित करते हुए पंधेर ने कहा कि हरियाणा के सुरक्षाकर्मियों द्वारा आंसूगैस के गोले दागे जाने के कारण 16 किसान घायल हो गए। इनमें से एक की सुनने की क्षमता चली गई। उन्होंने कहा कि चार घायल किसानों को छोड़कर बाकी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने कहा, हमें बातचीत के लिए केंद्र से कोई संदेश नहीं मिला है। (नरेन्द्र) मोदी सरकार बातचीत के मूड में नहीं है। उन्होंने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने पहले ही फैसला कर लिया है कि 101 किसानों का एक जत्था रविवार दोपहर को शांतिपूर्ण तरीके से फिर से राष्ट्रीय राजधानी की ओर मार्च करेगा।

महाराष्ट्र में 'महायुति' को मिले विशाल जनादेश को लेकर जनता में कोई उत्साह नहीं दिख रहा : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्हापुर/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को दावा किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के 23 नवंबर को आए नतीजों में भाजपा नीत 'महायुति' गठबंधन को मिली भारी जीत के बाद राज्य की जनता में कोई उत्साह या खुशी नहीं दिखाई दे रही।

पवार ने पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर में कहा कि विपक्ष को चिंता करने की जरूरत नहीं है, लेकिन उसे इस झटके के बाद जनता के बीच जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए)यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा कि सरकार अपने सभी चुनाव पूर्व वादों पर अमल करे, जिनमें 'लाडकी बहिन'योजना के तहत महिलाओं को हर माह वित्तीय सहायता 1,500 रुपए से बढ़ाकर 2,100 रुपए करना शामिल है। राजनीति में दशकों का अनुभव रखने वाले पवार ने कहा, ''महायुति को मिले भारी जनादेश के बाद लोगों में कोई उत्साह नहीं दिख रहा है।'' पवार नीत पार्टी 288 सदस्यीय विधानसभा में केवल 10 सीट पर विजयी हुई है। शरद पवार ने सपा नेता अबू आजमी के एमवीए छोड़ने की घोषणा को लेकर सवाल पर कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) का केंद्रीय नेतृत्व विपक्षी एकता पर अडिग है। सपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष आजमी ने शुक्रवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (उबाठा) के कारण एमवीए से अलग हो रही है क्योंकि ठाकरे के करीबी ने दिसंबर 1992 में बाबरी मस्जिद को ढहाने वालों की प्रशंसा की है।

जीएसटी से और वसूली की तैयारी में सरकार, इसका पुरजोर विरोध करेंगे : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि सरकार माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के नए स्लैब लाकर और वसूली की तैयारी कर रही है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी इस घोर अन्याय का पुरजोर विरोध करेगी। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर कर संग्रह से जुड़ा एक ग्राफिक साझा करते हुए पोस्ट किया, पूंजीपतियों को छूट और आम लोगों से लूट का एक और उदाहरण देखिए। एक तरफ़ कॉरपोरेट कर के मुक़ाबले आयकर लगातार बढ़ रहा है। दूसरी तरफ़ मोदी सरकार गब्बर सिंह टैक्स से और ज़्यादा वसूली की तैयारी कर रही है। उन्होंने दावा किया, ''सुनने में आ रहा है कि जीएसटी से लगातार बढ़ती वसूली के बीच सरकार एक नया टैक्स स्लैब पेश करने जा रही है। आपकी ज़रूरत की चीज़ों पर जीएसटी बढ़ाने की योजना है।'' उन्होंने कहा, ''ज़रा सोचिए, अभी, शादियों का सीजन चल रहा है। लोग कब से पाई-पाई जोड़कर पैसे इकट्ठा कर रहे होंगे और सरकार इसी बीच 1500 रुपए से ऊपर के कपड़ों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने जा रही है।''

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यह घोर अन्याय है कि अरबपतियों को कर में छूट देने और उनके बड़े से बड़े कर्ज़ माफ़ करने के लिए ग़रीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की मेहनत की कमाई को टैक्स द्वारा लूटा जा रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारी लड़ाई इसी अन्याय के ख़िलाफ़ है। आम लोगों पर पड़ रही टैक्स की मार के ख़िलाफ़ हम मजबूती से आवाज़ उठाएंगे और इस लूट को रोकने के लिए सरकार पर दबाव बनाएंगे।

जम्मू में रहने वाले रोहिंग्या मुस्लिमों की पानी की आपूर्ति बंद नहीं की जाएगी : जल मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर में रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ जारी अभियान के बीच केंद्र शासित प्रदेश के जल मंत्री जावेद अहमद राणा ने शनिवार को कहा कि अवैध आप्रवासियों की झुग्गियों में पानी की आपूर्ति तब तक नहीं रोकी जाएगी जब तक कि केंद्र सरकार उनको वापस भेजने के संबंध में कोई फैसला नहीं ले लेती है।

राणा ने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब जम्मू के नरवाल क्षेत्र में तीन भूखंड पर रह रहे रोहिंग्याओं ने दावा किया था कि प्रशासन ने हाल ही में उनकी बिजली और पानी की आपूर्ति रोक दी है। वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री राणा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''सरकार का कर्तव्य है कि वह सभी लोगों को पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करे। हम मानवीय आधार पर उन्हें (रोहिंग्याओं को) पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे जब तक कि भारत सरकार उनके मुद्दे पर कोई निर्णय नहीं ले लेती है।'' मंत्री ने कहा कि वह रोहिंग्याओं को पानी की आपूर्ति बंद किए जाने के मुद्दे को अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे। उन्होंने कहा, ''किसी को भी पानी की आपूर्ति नहीं रोकी जा सकती। यह सभी की आवश्यकता है। '' मंत्री ने संबंधित विभाग द्वारा रोहिंग्याओं के कुछ भूखंड में कथित तौर पर पानी की आपूर्ति बंद किए जाने पर हैरानी जताई।

उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश नरीमन ने अयोध्या फैसले की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर एफ नरीमन ने रामजन्म भूमि-बाबरी मस्जिद मामले में शीर्ष अदालत के 2019 के निर्णय की आलोचना करते हुए इसे ''न्याय का उपहास'' बताया, जो पंथनिरपेक्षता के सिद्धांत के साथ न्याय नहीं करता।

'पंथनिरपेक्षता और भारतीय संविधान' विषय पर प्रथम न्यायमूर्ति ए एम अहमदी स्मारक व्याख्यान में न्यायमूर्ति नरीमन ने हालांकि कहा कि इस फैसले में एक ''सकारात्मक पहलू'' भी है क्योंकि इसमें उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 को बरकरार रखा गया है। न्यायमूर्ति नरीमन ने कहा, ''मेरा मानना है कि न्याय का सबसे बड़ा उपहास यह है कि इन निर्णयों में पंथनिरपेक्षता को उचित स्थान नहीं दिया गया।'' न्यायमूर्ति नरीमन ने मस्जिद को ढहाये जाने को गैर कानूनी मानने के बावजूद विवादित भूमि प्रदान करने के लिए न्यायालय द्वारा दिए गए तर्क से भी असहमति जताई। उन्होंने कहा कि आज हम देख रहे हैं कि देशभर में इस तरह के नये-नये मामले सामने आ रहे हैं। हम न केवल मस्जिदों के खिलाफ बल्कि, दरगाहों के खिलाफ भी वाद देख रहे हैं। मुझे लगता है कि यह सब सांप्रदायिक वैमनस्य को जन्म दे सकता है। इस सब को खत्म करने का एकमात्र तरीका यह है कि इसी फैसले के इन पांच पन्नों को लागू किया जाए और इसे हर जिला अदालत और उच्च न्यायालय में पढ़ा जाए।

देश में 2015 से क्षयरोग कम होने की दर दोगुनी हुई : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने क्षय रोग (टीबी) के मामलों और इसके कारण होने वाली मृत्यु की दर में कमी लाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान का शनिवार को हरियाणा के पंचकूला में उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत में इस रोग के मामलों में कमी आने की दर 2015 से दोगुनी हो गई है और यह वैश्विक औसत से अधिक है।

कुल 100 दिवसीय क्षयरोग उन्मूलन अभियान उन 33 राज्यों के 347 जिलों में चलाया जाएगा, जहां इस बीमारी का प्रकोप अधिक है। अभियान का उद्देश्य रोग की पहचान को बढ़ाना, निदान में होने वाली देरी को कम करना और उपचार के परिणामों को बेहतर बनाना है। नड्डा ने कहा, ''इस कार्यक्रम के तहत हमने रोग की पहचान, जांच, उपचार और सहायक रणनीतियों को त्वरित गति से आगे बढ़ाया है। मुझे लगता है कि यह 100 दिवसीय कार्यक्रम 'टीबी मुक्त भारत' बनाने में मील का पत्थर साबित होगा और इसका दूरगामी प्रभाव होगा।'' केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने क्षय रोग के खिलाफ देश के लंबे संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक समय में टीबी को 'धीमी मौत' माना जाता था। उन्होंने कहा, ''यहां तक कि टीबी से पीड़ित परिवार के सदस्यों को भी अलग रखा जाता था ताकि इस बीमारी को फैलने से रोका जा सके। वर्ष 1962 से क्षय रोग के खिलाफ कई अभियान चलाए गए हैं, लेकिन 2018 में प्रधानमंत्री ने सतत विकास लक्ष्यों की 2030 की समय सीमा से बहुत पहले टीबी को खत्म करने का दृष्टिकोण पेश किया।'' केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, ''हमने लक्ष्य हासिल करने के लिए रणनीतियों में बदलाव किया। सेवाओं का विकेंद्रीकरण किया गया है और अब 1,73,000 एएएम (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) में क्षय रोग के मामलों का पता लगाने और उनका इलाज करने की सुविधाएं होंगी।'' नड्डा ने कहा कि 2014 में टीबी का पता लगाने के लिए 120 प्रयोगशालाएं थीं और अब उनकी संख्या बढ़कर 8,293 तक पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि भारत में टीबी के मामलों में कमी की दर 2015 में 8.3 प्रतिशत से बढ़कर अब 17.7 प्रतिशत हो गई है जो वैश्विक औसत से काफी अधिक है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 साल में भारत में टीबी के कारण होने वाली मौतों में भी 21.4 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी आई है। मंत्री ने कहा, ''1.17 करोड़ से अधिक टीबी रोगियों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से 3,338 करोड़ रुपए की नि-क्षय सहायता प्रदान की गई है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार ने हाल में नि-क्षय पोषण राशि को 500 से बढ़ाकर 1,000 रुपए कर दिया है।

हैकर ने मेरे स्मार्टफोन-लैपटॉप हैक किए, क्रिप्टोकरेंसी में हजारों डॉलर मांग की : पित्रोदा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने दावा किया है कि उनके स्मार्टफोन, लैपटॉप और सर्वर को पिछले कुछ हफ्तों में बार-बार हैक किया गया है और हैकर उन्हें धमकियां दे रहे हैं तथा क्रिप्टोकरेंसी में हजारों डॉलर की मांग कर रहे हैं। पित्रोदा ने एक ईमेल संदेश में कहा, हैकर ने चेतावनी दी है कि अगर भुगतान नहीं किया गया तो वे मेरे नेटवर्क के लोगों से संपर्क करके मेरी प्रतिष्ठा खराब करने के लिए बदनामी और गलत सूचना अभियान चलाएंगे। मेल में लिखा गया है, मैं आपके ध्यान में एक महत्वपूर्ण मामला लाना चाहता हूं। पिछले कुछ हफ्तों में मेरे लैपटॉप, स्मार्टफोन और सर्वर को बार-बार हैक किया गया है और गंभीर रूप से छेड़छाड़ की गई है। परिवार और दोस्तों को संबोधित ईमेल में, इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख ने उनसे आग्रह किया कि वे किसी भी अज्ञात मेल आईडी या मोबाइल नंबर से उनके बारे में आने वाले किसी भी ईमेल या संदेश को न खोलें, किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और डाउनलोड न करें।

तेलंगाना : तेज रफ्तार कार के झील में गिर जाने से पांच लोगों की मौत

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के यदाद्रि-भुवनगिरी जिले में एक कार के शनिवार को झील में गिर जाने से पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना उस दौरान हुई जब छह युवक हैदराबाद से यदाद्रि-भुवनगिरी जिले की ओर जा रहे थे। उसने बताया कि सभी युवकों की उम्र 20 से 25 साल के बीच है। कार की रफ्तार बहुत तेज थी और एक मोड़ पर चालक द्वारा वाहन पर से नियंत्रण खो देने से वाहन झील में गिर गया। उसने बताया कि कार में मौजूद छह लोगों में से एक व्यक्ति खिड़की का शीशा तोड़कर बाहर निकलने में कामयाब रहा, लेकिन अन्य सभी डूब गए।

किसानों ने बजट पूर्व बैठक में सस्ता ऋण, कम कर, पीएम-किसान राशि दोगुनी करने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को बजट से पहले होने वाली बैठकों के क्रम में किसान प्रतिनिधियों और कृषि हितधारकों के साथ बैठक की। इस दौरान किसानों ने सरकार से सस्ता दीर्घकालिक ऋण उपलब्ध कराने, कम कर लागू करने और पीएम-किसान आय सहायता को दोगुना करने का आग्रह किया।

बैठक में दो घंटे तक विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान वित्तीय राहत, बाजार सुधार और रणनीतिक निवेश जैसी कृषि क्षेत्र की कई चुनौतियों का समाधान करने पर विचार किया गया। भारत कृषक समाज के चेयरमैन अजय वीर जाखड़ ने कृषि उत्पादकता और किसान कल्याण को बढ़ावा देने के लिए लक्षित हस्तक्षेप की जरूरत पर जोर दिया। किसानों की मुख्य मांगों में कृषि ऋणों पर ब्याज दर को एक प्रतिशत तक कम करना और वार्षिक पीएम-किसान किस्त को 6,000 रुपए से बढ़ाकर 12,000 रुपए करना शामिल था। हितधारकों ने इसके अलावा कराधान सुधार प्रस्तावों के तहत कृषि मशीनरी, उर्वरक, बीज और दवाओं पर जीएसटी छूट की मांग की। पीएचडी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने कीटनाशक पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने का अनुरोध किया। जाखड़ ने राष्ट्रीय कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए चना, सोयाबीन और सरसों जैसी विशिष्ट फसलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आठ वर्षों के लिए सालाना 1,000 करोड़ रुपए की लक्षित निवेश रणनीति का प्रस्ताव रखा। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक ने एमएसपी तंत्र की व्यापक समीक्षा की मांग की।

'हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार सबसे अक्षम और भ्रष्ट है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ऊना (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। हमीरपुर से सांसद और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अनुराग ठाकुर ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार को आजादी के बाद से राज्य की ''सबसे अक्षम और भ्रष्ट सरकारों'' में से एक करार दिया।

ठाकुर ने कांग्रेस पर सत्ता हासिल करने के लिए ''झूठे वादे'' करने का आरोप लगाया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यहां भाजपा की 'आक्रोश रैली' को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं को बंद कर दिया। उन्होंने 2022 के विधानसभा चुनावों से पहले ''झूठे वादे'' करके लोगों को ''धोखा'' देने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा।

ठाकुर ने कहा, ''18 से 59 आयु वर्ग की महिलाओं को 1,500 रुपए और पांच लाख नौकरियों देने का वादा तो भूल जाइए क्योंकि सरकारी नौकरियों में भी लोगों को समय पर वेतन और पेंशन नहीं दी जा रही।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कोविड काल के दौरान भर्ती किए गए चिकित्सा कर्मचारियों को भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया और 'इंटर्नशिप' कर रहे लोगों को अपने वेतन के लिए चार महीने तक इंतजार करना पड़ा। भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के कारण हिमाचल प्रदेश को शर्मसार होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बिजली पर उपकर लगाया गया है, पानी पर अधिशुल्क लगाया गया है और राशन के दाम कई गुना बढ़ गए हैं।

ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'खटाखट-खटाखट' मॉडल को महाराष्ट्र और हरियाणा में बेकार घोषित कर दिया गया और लोगों ने भाजपा को वोट दिया। राज्यसभा सदस्य और भाजपा नेता सिकंदर कुमार ने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में आई थी तो लोगों को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन आज सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक भी नाखुश हैं। उन्होंने दावा किया कि समाज का हर वर्ग इस सरकार से परेशान है।

इस अवसर पर ऊना सदर से विधायक सतपाल सत्ती, पूर्व विधायक राजेश शर्मा, चैतन्य शर्मा, देवेंद्र भुट्टो, बलबीर चौधरी, पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर और अन्य भाजपा नेता भी मौजूद थे।

दिल्ली: केजरीवाल ने कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा पर निशाना साधा, कहा 'मुद्दे का राजनीतिकरण न करें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को दिल्ली की कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने के बजाय उन्हें लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर ध्यान देना चाहिए।

दिल्ली में अगले वर्ष फरवरी में विधानसभा चुनाव होना है और पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आती है।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने सुबह की सैर के दौरान एक व्यवसायी की गोली मारकर हत्या, पंचशील एन्क्लेव में एक बुजुर्ग की हत्या और जबरन वसूली की बढ़ती घटनाओं सहित कई हिंसक घटनाओं पर चिंता व्यक्त की।

केजरीवाल ने 'पीटीआई-वीडियो' सेवा से कहा, लोग घबराए हुए हैं और कानून-व्यवस्था चरमरा गई है। बुजुर्ग डरे हुए हैं, महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही हैं और गैंगवार हो रही है। दिल्ली के हर कोने में मादक पदार्थ बिक रहे हैं। दिल्ली पुलिस कहां है? गृह मंत्री कहां हैं? उन्होंने कुछ अपराधों के पीछे रोहिंग्याओं का हाथ होने के भाजपा के दावे पर कहा, अगर वे रोहिंग्या हैं, तो गृह मंत्री ने उन्हें म्यांमा और बांग्लादेश की सीमाओं पर क्यों नहीं रोका? और अगर वे दिल्ली में घुस आए हैं तो दिल्ली पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया? इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने के बजाय, उन्हें दिल्ली के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर ध्यान देना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी ने पहले भी 'आप' पर राजनीतिक लाभ के लिए आपराधिक तत्वों को बचाने का आरोप लगाकर आरोपों का जवाब दिया है। केजरीवाल ने हालांकि, तर्क दिया कि इस तरह के दावे लोगों का ध्यान सार्वजनिक सुरक्षा के अहम मुद्दे से भटकाने की कोशिश है।

मार्गशीर्ष शुक्ल - 7 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 134 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 08-12-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 ऑस्ट्रेलिया में बुमराह पर दबाव कम करने के लिए भारत को जल्दी शमी की जरूरत : शास्त्री

6 कर्नल ललित राय: कारगिल की पहाड़ियों पर गूंजी दहाड़, 'खुकरी' से करवाया घुसपैठियों का संहार

7 एक बार फिर से बड़े पर्दे पर एक्शन करते नजर आएंगे सनी देओल

‘सेवा परमो धर्म’, ये सिर्फ शब्द नहीं हैं, ये हमारे जीवन मूल्य हैं : मोदी

बीएपीएस स्वयंसेवकों के काम से वैश्विक स्तर पर भारत का प्रभाव बढ़ा

अहमदाबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) के स्वयंसेवकों द्वारा की गई सेवा देश को शक्ति प्रदान करती है तथा विश्व में भारत के प्रभाव को बढ़ाती है। प्रधानमंत्री ने यहां नरेन्द्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में बीएपीएस संप्रदाय के स्वयंसेवकों के एक सम्मेलन को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि देश ने 2047 तक विकसित बनने का लक्ष्य रखा है और अगले दो दशक बीएपीएस स्वयंसेवकों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल इस कार्यक्रम में मौजूद थे, जिसमें हजारों स्वयंसेवकों ने भागीदारी की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीएपीएस द्वारा किया गया कार्य भगवान स्वामीनारायण की शिक्षाओं के माध्यम से दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन में बदलाव ला रहा है, लाखों आत्माओं को छू रहा है और समाज के सबसे निचले छोर पर खड़े अंतिम व्यक्ति को सशक्त बना रहा है। उन्होंने कहा, ''इसीलिए आप प्रेरणा बनते हैं, पूजे जाते हैं और पूजनीय होते हैं। बीएपीएस का काम भारत को ताकत देता है, पूरे विश्व में भारत के प्रभाव को मजबूत करता है।''

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल इस कार्यक्रम में मौजूद थे, जिसमें हजारों स्वयंसेवकों ने भागीदारी की।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमारी संस्कृति में कहा गया है कि 'सेवा परमो धर्म' (सेवा सबसे बड़ा धर्म है)। ये सिर्फ शब्द नहीं हैं, ये हमारे जीवन मूल्य हैं। सेवा को आस्था, विश्वास और व्रत से भी ऊंचा स्थान दिया गया है...जब यह सेवा एक संस्था, एक आंदोलन के रूप में, हजारों कार्यकर्ताओं के साथ संगठित तरीके से की जाती है, तो अद्भुत परिणाम प्राप्त होते हैं।'' उन्होंने कहा कि इस तरह की संगठित सेवा में समाज और देश की समस्याओं को हल करने और सामाजिक बुराइयों को मिटाने की क्षमता है।

महाकुम्भ की दिव्यता और भव्यता पूज्य संतों से ही है : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। महाकुम्भ 2025 की औपचारिक शुरुआत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आगामी प्रयागराज यात्रा से पूर्व शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ की तैयारियों का निरीक्षण किया।

मेला क्षेत्र में सभी 13 अखाड़ों के साधु संतों और तीर्थ पुरोहितों के साथ भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, महाकुम्भ की दिव्यता और भव्यता पूज्य संतों से ही है, सरकार और प्रशासन तो बस आयोजन की सहयोगी है। आज वैश्विक पटल पर यदि सनातन संस्कृति गौरवान्वित हो रही है तो यह संतों की कृपा से ही हो पा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 13 दिसंबर को प्रयागराज में प्रधानमंत्री मोदी जी का आगमन प्रस्तावित है। वह संगम का पूजन करेंगे, साथ ही महाकुम्भ के लिए हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इस विशेष अवसर पर सभी 13 अखाड़ों के प्रतिनिधि, खाक-चौक परंपरा, दंडीबाड़ा परंपरा, आचार्यबाड़ा परंपरा और तीर्थ पुरोहितों के प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों से उपस्थिति होने का आग्रह करता हूं।

साधु संतों ने मुख्यमंत्री की सराहना करते हुए कहा कि योगी पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो महाकुम्भ के विषय में साधु-संतों, आचार्यों से इस तरह से सीधे संवाद करके उनकी समस्याओं/सुझावों को सुन रहे हैं।

क्षय रोग से बहुआयामी तरीके से लड़ रहा है भारत : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली/भाषा। सौ दिवसीय क्षय उन्मूलन अभियान शनिवार से शुरू होने के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत इस बीमारी से बहुआयामी तरीके से लड़ रहा है, जिसमें मरीजों के लिए दोहरी सहायता, जनभागीदारी, नई दवाएं, प्रौद्योगिकी का उपयोग और बेहतर जांच उपकरण शामिल हैं।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''टीबी (क्षय रोग) के खिलाफ हमारी लड़ाई और मजबूत हो गई है। टीबी को हराने की सामूहिक भावना से प्रेरित होकर, आज से एक विशेष 100-दिवसीय अभियान शुरू हो रहा है, जिसका जोर टीबी के अधिक मामलों वाले जिलों पर होगा।''

उन्होंने कहा कि भारत टीबी से बहुआयामी तरीके से लड़ रहा है, जिसमें मरीजों को दोगुना समर्थन, जनभागीदारी, नई दवाएं, प्रौद्योगिकी का उपयोग और बेहतर जांच उपकरण शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''आइए हम सब एकसाथ आएं और टीबी को खत्म करने में अपना योगदान दें।''

सीरिया की यात्रा से बचें भारतीय

नई दिल्ली/भाषा। सीरिया में जारी हिंसा के मद्देनजर भारत ने अपने नागरिकों को वहां की यात्रा से बचने की सलाह दी है और सीरियां में रह रहे नागरिकों से ''अत्यंत सावधानी'' बरतने तथा आवाजाही समिति करने का आग्रह किया। विदेश मंत्रालय ने एक परामर्श में हिंसा प्रभावित देश में रह रहे भारतीयों से कहा कि यदि संभव हो तो वे यथाशीघ्र उपलब्ध वाणिज्यिक उड़ानों से वहां से चले जाएं।

लातूर के 100 से अधिक किसानों को जमीन को लेकर मिला महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड का नोटिस

लातूर/भाषा। महाराष्ट्र के लातूर जिले में 100 से अधिक किसानों ने शनिवार को दावा किया कि वक्फ बोर्ड उनकी जमीन हड़पने का प्रयास कर रहा है, जिसपर वे कई पीढ़ियों से खेती करते रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह दावा छत्रपति संभाजीनगर स्थित महाराष्ट्र राज्य वक्फ अधिकरण में दायर किया गया है और कुल 300 एकड़ भूमि रखने वाले 103 किसानों को नोटिस जारी किए गए हैं। किसानों में से एक तुकाराम कानवटे ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''ये जमीन हमें पीढ़ी दर पीढ़ी मिली हैं। ये वक्फ की संपत्ति नहीं हैं। हम चाहते हैं कि महाराष्ट्र सरकार हमें न्याय दे। इस मामले पर अदालत में दो सुनवाई हो चुकी है और अगली सुनवाई 20 दिसंबर को है।'' केंद्र सरकार ने इस साल 8 अगस्त को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पेश किया था, ताकि वक्फ बोर्ड के कामकाज को सुव्यवस्थित किया जा सके और इसकी संपत्तियों का कुशल प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।

फर्स्ट टेक

नीदरलैंड के हेग में विस्फोट से महिला की मौत, कई लोग घायल

हेग/एपी। नीदरलैंड के हेग शहर के एक इलाके में शनिवार को विस्फोट होने और आग लगने से एक महिला की मौत हो गई तथा कई लोग घायल हो गए। घटना में कई मकानों को भी नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल पाया है। महापौर जान वैन जेनन ने कहा कि अधिकारी ''सभी पहलुओं'' को ध्यान में रखकर जांच कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वे घटनास्थल से निकली हुई एक कार की तलाश कर रहे हैं, ताकि जांच में मदद मिल सके। आपातकालीन अधिकारियों ने बताया कि मलबे से चार लोगों को बचा लिया गया है और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है।

संभल में शाही जामा मस्जिद के फर्जी वीडियो से विवाद, मामला दर्ज

संभल (उप्र)/भाषा। संभल में ऐतिहासिक शाही जामा मस्जिद का एक फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद साइबर पुलिस थाने में एक मामला दर्ज किया गया है। इस वीडियो में मस्जिद के अंदर तोड़ फोड़ होती दिख रही है। संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि साइबर थाने के उप निरीक्षक अनिल कुमार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट दिखी, जिसमें संभल की जामा मस्जिद का वीडियो बना कर मस्जिद के अंदर तोड़ फोड़ होती दिखाई गई। उन्होंने बताया कि फर्जी वीडियो से दो समुदायों के बीच तनाव बढ़ सकता था, लिहाजा इस मामले में साइबर थाने में भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि फर्जी वीडियो बनाने वाले व्यक्ति की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गाजा में संघर्ष विराम के लिए वार्ताएं तेज हो गई हैं : कतर के प्रधानमंत्री

दोहा (कतर)/एपी। कतर के प्रधानमंत्री ने कहा है कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के बाद से गाजा में संघर्ष विराम के प्रयासों ने गति पकड़ी है। युद्ध विराम प्रयासों में प्रमुख मध्यस्थ शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल सानी ने दोहा में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में, इस संबंध में हुई वार्ता का विवरण देने से इनकार कर दिया, हालांकि उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के बीच बहुत ज्यादा मतभेद नहीं रह गए हैं। चौदह महीने पहले शुरू हुए युद्ध के दौरान मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले कतर ने पिछले महीने प्रयासों के सफल नहीं होने से हताश होकर कोशिशें रोक दी थीं।

सूर्यास्त 08-12-2024	सूर्योदय 09-12-2024
5:53 बजे	6:30 बजे

BSE	NSE
81,709.12	24,677.80
(-56.74)	(-30.60)

सोना	चांदी
7,981 रु.	90,517 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

‘हिन्दी के संवाहक बनें, विश्व स्तर पर इसकी खूबियों को प्रचारित करें’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शनिवार को हिंदी में स्नातक करने वाले युवाओं से इस भाषा के संवाहक बनने और दुनियाभर में इसकी खूबियों को प्रचारित करने की अपील की।

सोनोवाल ने यहां दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के 83वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी में बहुत बड़ी ताकत है, जिसने दुनियाभर के लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई है।

केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने युवाओं से आग्रह किया, ''हिंदी के संवाहक बनें और इसे दुनिया को दिखाएं। हिंदी की खूबियों और महानता का प्रसार करें। इसे एक वैश्विक भाषा बनाएं। हिंदी में वह क्षमता है।'' उन्होंने कहा, ''हिंदी एकता की भाषा है और इसका प्रयोग और इसे अपनाना सभी भारतीयों को एक सूत्र में बांधता है। यह 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के लोकाचार का प्रदर्शन भी है, जहां हम अपनी एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए अपनी विविधता को अपनाते हैं।''

राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में आगे बढ़ने के लिए छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए सोनोवाल ने डिग्री प्रदान करने के बाद कहा, ''राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा 1918 में स्थापित इस संस्थान में उपस्थित होना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।''

बांग्लादेश के ढाका में इस्कॉन मंदिर में लगाई आग, मूर्तियों में तोड़फोड़ की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/कोलकाता/भाषा। बांग्लादेश के ढाका जिले स्थित अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) मंदिर में कुछ लोगों ने शुक्रवार देर रात आग लगा दी जबकि पड़ोसी देश स्थित इस्कॉन ने कहा कि यह एक भक्त का ''पारिवारिक मंदिर'' था। वहीं, संगठन के कोलकाता कार्यालय ने कहा, ''इस्कॉन नमहट्टा केंद्र'' को निशाना बनाया गया।

ढाका जिले के तुराग पुलिस थाने के अंतर्गत धौर गांव स्थित इस्कॉन नमहट्टा केंद्र पर शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात हमला किया गया। तुराग पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि अपराधियों की तलाश की जा रही है।

बांग्लादेश में इस्कॉन के महासचिव चारु चंद्र दास ब्रह्मचारी ने बताया, ''मंदिर की टीन की छत को उखाड़ने के बाद आग लगाई गई। हालांकि आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया, लेकिन एक मूर्ति क्षतिग्रस्त हो गई और पर्दे जल गए।''

वहीं दूसरी ओर, कोलकाता स्थित इस्कॉन के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''अराजक तत्वों ने नमहट्टा संपत्ति में मंदिर के अंदर स्थापित मूर्तियों में आग लगा दी।'' उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बांग्लादेश में इस्कॉन नमहट्टा केंद्र को जला दिया गया। श्री श्री लक्ष्मी नारायण की मूर्तियां और मंदिर के अंदर की सभी वस्तुएं पूरी तरह जल गई हैं। यह केंद्र ढाका में स्थित है। बदमाशों ने शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात 2-3 बजे श्री श्री राधा कृष्ण मंदिर और श्री श्री महाभाग्य लक्ष्मी नारायण मंदिर में आग लगा दी। ये मंदिर ढाका जिले के तुराग पुलिस थाने के अंतर्गत धौर गांव स्थित हरे कृष्ण नमहट्टा संघ के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।''

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

युग सुरसा

कब वक्त रहा सस्ताई का,
केवल यह सबको भ्रम भाई।
सब मांग पूर्ति का संतुलन,
बाजार बना सबका सांई।
कुछ की दर घटा बढ़ा कुछ कर,
भ्रम फैलाते हैं सौदाई।
सरकार बने दातार मगर,
युग सुरसा है यह मँहगाई।।

प्रथम पुण्यस्मरण

14.09.1949 08.12.2023

Late Smt Vinod Kumari Goyal
W/o : Subhash Chander Goyal

आपने सबको दिया दुलार, आपकी स्मृतियां है अब आधार
आपके कर्म प्रेरणा है हमारी, आपका व्यवहार हमारा है सूत्रधार

आपकी प्रथम पुण्यतिथि पर हम सभी परिवार जन
आपको अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

● Subhash Goyal
● Rajender - Saroj Goyal ● Satish - Pinky Goyal
● Krishan - Pramila Goyal ● Naresh - Asha Goyal ● Ankur - Preeti Goyal
● Mayankji - Shikha Singhal ● Anil - Archana Goyal ● Vikas - Roop Goyal
Dhruv, Hanshit, Sukriti, Vartika, Mishika, Veer & Entire Goyal Family

Digital Circuits Pvt. Ltd.
Motiram Goyal & Sons
Bengaluru

नौकरियों के पीछे भागने के बजाय युवा रोजगार देने वाले बनें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि विश्वविद्यालयों से डिग्री प्राप्त युवा नौकरियों के पीछे भागने की बजाय रोजगार देने वाले बने। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान के केन्द्र होते हैं। इनमें विद्यार्थियों को केवल पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन ही नहीं कराया जाए बल्कि उनकी बौद्धिक क्षमता कैसे बढ़े, उनमें उद्यमिता की प्रवृति का कैसे विकास हो, इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। राज्यपाल बागड़े शनिवार को महात्मा ज्योतिराव फुले विश्वविद्यालय के नवम दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा सतत चलने वाली प्रक्रिया है।

वह शिक्षा ही सार्थक है जो जीवन को बेहतर ढंग से जीने की राह दिखाए। उन्होंने महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा समाज सेवा और स्त्री शिक्षा में दिए योगदान को याद करते हुए कहा कि वे युग पुरुष थे। ऐसे समय में जब नारी शिक्षा से समाज दूर था, उन्होंने कन्या विद्यालय खोला। अपनी पत्नी को पढ़ाया और उन्हें देश की पहली महिला शिक्षक बनाया। उन्होंने ज्योतिबा फुले के आदर्शों को अपनाते शिक्षा प्रसार के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

बागड़े ने सरकार के साथसाथ निजी क्षेत्र को भी शिक्षा प्रसार में महती भूमिका निभाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा में नैतिकता और आदर्श जीवन मूल्य बहुत जरूरी है।

महापुरूषों की जीवनीयां हमें सदा प्रेरणा देती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अर्जित शिक्षा का उपयोग राष्ट्र विकास के लिए किए जाने का आह्वान किया।

उन्होंने देश की नई शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए कहा कि यह समाज के हर वर्ग को बगैर किसी भेदभाव के गुणवत्ता की वैश्विक स्तर की शिक्षा देने से जुड़ी है। उन्होंने राष्ट्र प्रथम है' सोच के साथ विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाए जाने पर जोर दिया। आरम्भ में उन्होंने विद्यार्थियों को डिग्री और पदक प्रदान किए। विश्वविद्यालय के चांसलर निर्मल पंवार ने विश्वविद्यालय के बारे में और भावी योजनाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

'राइजिंग राजस्थान' से रोजगार के अवसर पैदा होंगे : शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को दावा किया कि जयपुर में अगले हफ्ते प्रस्तावित राइजिंग राजस्थान शिखर सम्मेलन से राज्य में रोजगार के अवसर सृजित होंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार शर्मा ने इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए दस दिन तक प्रत्येक दिन एक नया संकल्प लेने की पहल की है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने शनिवार को दसवां संकल्प लेते हुए कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में राज्य के आर्थिक विकास को गति प्रदान करने के साथ ही रोजगार के अवसर भी सृजित किए जाएंगे।

इसके अनुसार शर्मा ने कहा कि राज्य के कुशल युवाओं को सरकारी एवं निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार संकल्पित होकर काम कर रही है। तीन दिवसीय राइजिंग राजस्थान शिखर सम्मेलन सोमवार से जयपुर में शुरू होने जा रहा है।

किशनगढ़ को विकास की सौगातों के लिये आमजन ने केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी को दिया धन्यवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

किशनगढ़ (अजमेर)। केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री एवं अजमेर लोकसभा सीट से सांसद भागीरथ चौधरी के संसदीय क्षेत्र किशनगढ़ स्थित निवास स्थान पर शनिवार को जनसुनवाई के दौरान आमजन ने किशनगढ़ को विकास परियोजनाओं की सौगात दिलाने के लिये चौधरी का आभार व्यक्त किया।

जनसुनवाई के दौरान चौधरी ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों और क्षेत्र के नागरिकों से आत्मीय मुलाकात करके उनकी समस्यायें सुनीं। क्षेत्रीय विकास, आधारभूत सुविधाओं, कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर आई शिकायतों और सुझावों को उन्होंने गंभीरता से लिया।

स्थानीय सांसद चौधरी ने संबंधित अधिकारियों से संवाद करके इन समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों की सेवा और विकास के लिये उनका प्रयास निरंतर जारी रहेगा। हर समस्या को प्राथमिकता के साथ हल करना उनका कर्तव्य है। स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने उनकी नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए किशनगढ़ के विकास के लिये उनके योगदान की प्रशंसा की।

विशेष रूप से वंदे भारत एक्सप्रेस के ठहराव, ईएसआईसी अस्पताल के लिये भूमि आवंटन स्वीकृति और तीन ओवरब्रिज की परियोजनाओं को लेकर जनता ने उन्हें धन्यवाद दिया।

'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट' में राज्य के विकास के नए मानक स्थापित करने की क्षमता : आरएएनए

न्यूयॉर्क/जयपुर। राजस्थान में आयोजित होने वाले 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट' का प्रवासी भारतीय समुदाय के एक प्रमुख सदस्य ने स्वागत किया है। इस वैश्विक निवेशक सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इस दौरान वैश्विक निवेशकों के लिए पर्यटन, सौर ऊर्जा, खनन और कपड़ा क्षेत्रों में राज्य की क्षमता को रेखांकित किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी सीतापुरा में जयपुर प्रदर्शनी सम्मेलन केंद्र (जेईसीसी) में 9-11 दिसंबर तक चलते वाले 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' का उद्घाटन करेंगे। राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (आरएएनए) के अध्यक्ष और न्यूयॉर्क स्थित सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम भंडारी ने शुक्रवार को पीटीआई-भाषा को बताया, इस शिखर सम्मेलन में राजस्थान के विकास के लिए नए मानक स्थापित करने की क्षमता है।

शिक्षा विभाग में एक लाख से ज्यादा रिक्त पदों को जल्द भरा जाएगा : मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर । राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर एक दिवसीय दौरे पर जोधपुर पहुंचे। यहां पर उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान उनके सवालों के जवाब दिए। भाजपा नेता मदन दिलावर ने एक सवाल के जवाब में कहा कि पूरे प्रदेश में राइजिंग राजस्थान के तहत बड़ा निवेश प्रदेश को मिला है। राजस्थान में कोई भी सरकार रही हो, लेकिन इतना बड़ा निवेश पहले कभी नहीं मिला। अभी तक 20 लाख करोड़ के एमओयू हो चुके हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि आने वाले समय में यह आंकड़ा 25 लाख करोड़ तक जाएगा। इससे राजस्थान में ना सिर्फ निवेश बढ़ेगा बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे और सरकार का राजस्व भी बढ़ेगा। पंचायती राज चुनाव को लेकर मंत्री दिलावर ने कहा कि पंचायती राज चुनाव को लेकर फैसला मंत्रिमंडल में जल्द लिया जाएगा। इसके बाद ही पंचायती राज चुनाव की स्थिति साफ होगी कि चुनाव कब और किस तरह करवाए जाएंगे।

मदन दिलावर ने शिक्षा विभाग में रोजगार को लेकर कहा कि शिक्षा विभाग में एक लाख से ज्यादा पद रिक्त हैं। रिक्त पदों को जल्द भरा जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बजट घोषणा में चार लाख रोजगार की घोषणा की है, इसमें डेढ़ से दो लाख भर्तियां शिक्षा विभाग में की जाएगी। राजस्थान में धर्मांतरण के बिल को लेकर मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि इसके के लिए मुख्यमंत्री का में धन्यवाद करता हूं कि इस तरह का बिल लेकर आए। इसकी सैद्धांतिक स्वीकृति मंत्रिमंडल में मिल चुकी है। अब सदन में इसकी चर्चा की जाएगी बिल पारित सदन में किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि सहमति से धर्म परिवर्तन करने के लिए जिस तरह से उत्तर प्रदेश में कानून है कि दोनों को जिला कलेक्टर को एक महीने पहले अर्जी देनी होती है, उनके सामने पेश होना पड़ता है। जिला कलेक्टर द्वारा दिए निर्देश के आधार पर निर्णय होता है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर 'विंटेज जीप रैली' का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सशस्त्र सेना झंडा दिवस-2024 के अवसर पर सैनिक कल्याण विभाग द्वारा राजस्थान जीप क्लब के सहयोग से शनिवार को जयपुर में 'विंटेज जीप रैली' का आयोजन किया गया। राज्य सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर ने अल्बर्ट हाल से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व बाजौर ने कहा कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता, बलिदान एवं जाबां सैनिकों के सम्मान का पर्व हैं, जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपने प्राणों को भी दांव पर लगा दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से देश की युवा पीढ़ी हमारे शूरवीरों के अदम्य साहस और सशस्त्र बलों के इतिहास से परिचित होती है।

सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष ने आमजन से आह्वान किया कि देश की रक्षा में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले इन रणबांकुरों, पूर्व और सेवारत सैनिकों तथा उनके परिवारों के कल्याणार्थ हरसंभव सहयोग करें। उन्होंने कहा कि इस अभियान से जुड़कर प्रदेशवासी राष्ट्र के लिए समर्पित सैनिकों को श्रद्धा सुमन अर्पित कर सकते है।

सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर वीरेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि करीब 24 विंटेज जीपों में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, एनसीसी स्वयंसेवक व कार्मिक इस रैली में शामिल हुए। समारोह में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद् के अध्यक्ष मेजर जनरल अनुज माथुर, राजस्थान स्टेट एक्स सर्विसेज लीग के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल एसपीएस कटेवा, सूबेदार अर्जुन सिंह ने भाग लिया।

राजस्थान में होगी 9 नए केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश में 85 नए केंद्रीय विद्यालयों की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा किए गए इस ऐतिहासिक निर्णय से राजस्थान में भी 9 नए केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना होगी, जिससे प्रदेश में विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर बढ़ेंगे।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह अभूतपूर्व निर्णय 'शिक्षित भारत, विकसित भारत' के संकल्प को मजबूती प्रदान करेगा। साथ ही, इससे भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार, शैक्षिक अवसंरचना के विकास एवं युवा पीढ़ी के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

सौ दिवसीय टीबी मुक्त अभियान का शुभारम्भ, प्रदेश के 5 जिलों में आयोजित होंगे निक्षय शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने शनिवार को एसएमएस अस्पताल के अकादमिक सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में टीबी मुक्त भारत के लिए 100 दिवसीय अभियान का शुभारम्भ किया। यह अभियान राज्य के 5 जिलों बारां, कोटा, झालावाड़, हनुमानगढ़ और राजसन्द जिलों में संचालित किया जाएगा। इसके तहत 100 दिवस तक निक्षय शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

श्रीमती राठौड़ ने इस अवसर पर कहा कि यह अभियान देश एवं प्रदेश को टीबी मुक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। टीबी मुक्त राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु आगामी साढ़े तीन माह तक प्रदेशभर में सघन अभियान चलाकर राज्य में सर्वे से छूटे रोगियों को चिन्हित कर उपचारित किया जाएगा। साथ ही, 15 दिसम्बर से आयोजित किए जा रहे मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर में भी टीबी मुक्त भारत से संबंधित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि टीबी मुक्ति के कार्यक्रम से संबंधित सभी अधिकारीकार्मिक एवं निक्षय मित्र जनभागीदारी के साथ इस अभियान को सफल बनाएं। हमारे प्रयास हों कि राजस्थान टीबी मुक्त अभियान में सबसे आगे रहे। एनजीओ एवं स्वयं सेवी संगठनों की भी इस कार्य में अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि रोगियों को टीबी की दवा आपूर्ति में किसी तरह का अवरोध नहीं हो।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक श्रीमती भारती दीक्षित ने कहा कि हम सब एकजुट होकर प्रयास करेंगे तो टीबी उन्मूलन का लक्ष्य निश्चित रूप से हासिल कर सकेंगे। नि-क्षय मित्रों द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि जिन रोगियों का लम्बी अवधि का उपचार चल रहा है, उन्हें विशिष्ट देखभाल की आवश्यकता है। कार्यक्रम में क्षय उन्मूलन जागरूकता हेतु पोस्टर का विमोचन किया गया एवं नि-क्षय मित्रों द्वारा क्षय रोगियों को पौष्टिक आहार वितरण किया गया। नि-क्षय मित्रों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया एवं टीबी रोग उन्मूलन की शपथ दिलाई गई।

उल्लेखनीय है कि यह अभियान भारत के 347 जिलों में आयोजित किया जा रहा है, जिसका राष्ट्रीय स्तर पर शुभारम्भ केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा द्वारा पंचकूला, हरियाणा में किया गया। राज्य स्तरीय समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों/प्रतिभागियों ने ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राष्ट्रीय समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर अतिरिक्त मिशन निदेशक शाहीन अली खान, निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर, निदेशक आरसीएच डॉ. सुनीत राणावत, परियोजना निदेशक श्रीमती तूलिका सैनी, राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. पुरूषोत्तम सोनी, उप राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. इन्द्रजीत सिंह सहित विभिन्न एनजीओ के प्रतिनिधि एवं डवलपमेंट पार्टनर उपस्थित रहे।

राइजिंग राजस्थान समिट में रूमा देवी का होगा उद्बोधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राइजिंग राजस्थान में राजस्थान सरकार द्वारा सामाजिक कार्यकर्ता व राजीविका की ब्रांड एंबेसडर रूमा देवी को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। समिट के तहत 'हर स्टोरी: एडवांसिंग इंक्लूसिव सोसाइटीज' थीमैटिक सेशन रखा जा रहा है। 9 दिसंबर को होने वाले इस सत्र में भारत की प्रमुख औद्योगिक कंपनियों जैसे वेदांता, किर्लोस्कर सिस्टम्स, वेलस्पन लिविंग की लीडरशिप टीम को टीम की प्रमुख महिला सख्शियतें अपने अनुभव साझा करेगी। गौरतलब है कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी के सीतापुरा स्थित जेईसीसी ग्राउंड पर होगा। जहां 6 देशो के प्रतिनिधियों के साथ देश के प्रमुख उद्योगपति व सीएमडी, सीईओ शिरकत करने वाले हैं।

इस समिट में राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण व नेतृत्व को बढावा देने के लिए सामाजिक व कारोबारी जगत में सफल महिला नेतृत्व में शुमार महिला सशक्तीकरण की प्रतीक सामाजिक कार्यकर्ता व अंतरराष्ट्रीय फैशन डिजाइनर रूमा देवी, वेदांता समूह की वाइस चेयरपर्सन और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल, किर्लोस्कर सिस्टम्स की चेयरपर्सन व मैनेजिंग डायरेक्टर अंजलि विक्रम किर्लोस्कर, वेलस्पन लिविंग की सीईओ दीपाली गोयनका, ओमान क्रिकेट की स्पॉन्सरशिप और मार्केटिंग प्रमुख ऋचा शर्मा जैसी प्रतिष्ठित हस्तियां राज्य सरकार द्वारा बतौर राज्य अतिथि आमंत्रित हुई है।

रूमा देवी फाउंडेशन की प्रवक्ता अनीता ने बताया कि सरकार महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान राइजिंग में विशेष सत्र का आयोजन करवा रही है। रूमा देवी 9 दिसंबर को प्रातः उद्घाटन सत्र में उपस्थित रहेगी जहां माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा ग्लोबल सबमिट का उद्घाटन किया जाएगा। जिसके पश्चात दोपहर 2:00 बजे हर स्टोरी सेशन में रूमा देवी बतौर वक्ता अपने अनुभव रखेगी। इसी तरह राजस्थान राइजिंग में होने वाली विशेष सांस्कृतिक संध्या में वो शिरकत करेगी।

पाली में लापता बच्चे का शव मिला

जयपुर।राजस्थान के पाली शहर में मंगलवार को लापता हुए ढाई साल के एक बच्चे का शव मिला है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार बच्चे का शव शुक्रवार शाम को उसके घर से कुछ दूर नाले में मिला। पुलिस ने बताया, मोहल्ले के लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि बच्चे का शव नाले में है। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला गया।

शिक्षा और खेल में चमके सितारों का अभिनंदन

बहरोड़/दक्षिण भारत । शहीद हरिपाल यादव उच्च माध्यमिक विद्यालय, जखराना में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में शिक्षा और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 40 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इनमें माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं केंद्रीय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं में टॉप करने वाले 35 विद्यार्थी, 4 प्रांतीय और राष्ट्रीय स्तर के चैंपियन खिलाड़ी, और नीट परीक्षा में टॉप करने वाले एक मेधावी शामिल थे।

मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रहे राजकुमार यादव (आईआरएस, जॉइंट डायरेक्टर, ईडी, भारत सरकार) ने बच्चों को प्रेरणा देते हुए कहा, सपने बड़े देखो और उन्हें पाने के लिए मेहनत से पीछे मत हटो। कार्यक्रम में डॉ. शानु राजकुमार, प्रदेश प्रवक्ता, महिला मोर्चा, भाजपा ने विद्यालय के 250 विद्यार्थियों को स्वेटर और जूते प्रदान करने की घोषणा की, जो उनकी समाजसेवा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. शानु राजकुमार, विष्णु दत्त स्वामी, सुरेश मेहता (ट्रांसपोर्टर), कर्नल सत्यपाल, मधुसूदन शर्मा, और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गरिमामयी बनाया। कार्यक्रम के संयोजक सूरजभान मेहरा और अध्यक्ष विजय सिंह यादव (प्रधानाचार्य) ने पूरे आयोजन को सफलतापूर्वक आयोजित किया। मंच संचालन रमेश यादव (प्रधानाचार्य) ने कुशलतापूर्वक किया। यह समारोह न केवल बच्चों की मेहनत का सम्मान था, बल्कि गांव और विद्यालय के लिए गौरव का पल भी।

जयपुर के विद्याधर नगर इलाके में घुसा लेपर्ड

जयपुर। राजस्थान के जयपुर के विद्याधर नगर में लेपर्ड आने से हड़कंप मच गया है। तेंदुआ इलाके के सीपीडब्ल्यूडी गार्डन में पौधों के पीछे दिखाई दिया।

सूचना मिलने पर वन विभाग, पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची। करीब 4 घंटे तक स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल रहा। सूचना मिलने पर वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और लेपर्ड को ट्रेंकुलाइज करने का ऑपरेशन चलाया।

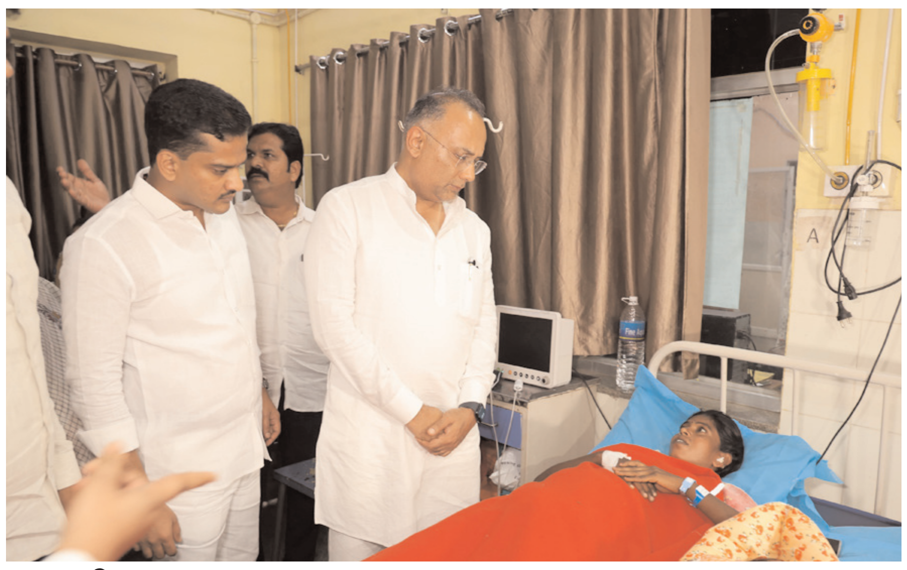

प्रसूता मौत मामला : विरोध प्रदर्शन कर रहे पूर्व मंत्री श्रीरामुलू को गुंडूराव ने मनाया

बेल्लारी जिला अस्पताल जाकर निरीक्षण किया ■ स्वास्थ्य मंत्री ने पीड़ितों के घर जाकर परिजनों को सांत्वना दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेल्लारी। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडुराव ने शनिवार को बेल्लारी जिला अस्पताल का दौरा किया जहां बैरेंटिस की मौत हुई थी और निरीक्षण किया। सरकार ने इस तथ्य को गंभीरता से लिया है कि हजारों सर्जरी सफलतापूर्वक करने वाले बेल्लारी जिला अस्पताल में पिछले एक महीने में सीजेरियन सेक्शन से गुजरने वाली पांच महिलाओं की मौत कैसे हो गई।

बेल्लारी जिला अस्पताल के दौरे के दौरान स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव को पूर्व स्वास्थ्य मंत्री श्रीरामुलू के विरोध का सामना करना पड़ा। मंत्री दिनेश गुंडूराव सीधे जिला अस्पताल के सामने बैठे श्रीरामुलू के पास पहुंचे और उनसे धरना बंद करने का अनुरोध किया। मैं बरनटिस की मौत का विरोध करने के खिलाफ नहीं हूं।

लेकिन जैसे ही इस तरह की मौतें सामने आईं, मैंने खुद राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ से विशेषज्ञों की एक टीम भेजी और रिपोर्ट देने को कहा कि कहां चूक हुई। उनके द्वारा दी गई रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने स्पष्ट किया कि डॉक्टर की सेवा में कोई बुरी मांग नहीं थी। रिंगर लैक्टेट पर संदेह है। हमें भी पहले खत समाधान के बारे में संदेह था। मंत्री दिनेश गुंडुराव ने स्पष्ट किया कि हमने 6 महीने पहले रिंगर लैक्टेट का उपयोग बंद कर दिया था.. लेकिन कंपनी ने अदालत का दरवाजा खटखटाया और केंद्रीय दवा प्रयोगशाला से सकारात्मक रिपोर्ट प्राप्त की और इसे केएसएमसीएल से जारी किया। कंपनी को काली सूची में डालने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं और कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज करने का सुझाव दिया गया है।

मंत्री गुंडुराव ने स्पष्ट किया कि राज्य भर में आईवी रिंगर लैक्टेट सॉल्यूशन का उपयोग बंद कर दिया गया है। मंत्री के स्पष्टीकरण के बाद पूर्व स्वास्थ्य मंत्री श्रीरामुलू ने धरना प्रदर्शन छोड़ दिया।

मंत्री ने अस्पताल जाकर ऑपरेशन थिएटरों का निरीक्षण किया और सर्जरी के दौरान अधिक सावधानी बरतने का निर्देश दिया। मीडिया को जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल कंपनी द्वारा आपूर्ति किए गए आइवी रिंगर लैक्टेट के 192 बैचों को रोक लिया गया और अस्पतालों से वापस ले लिया गया। उन्होंने कहा कि उन्होंने कंपनी के खिलाफ मुकदमा चलाने का सुझाव दिया है. सरकारी अस्पतालों में ग्लूकोज की कमी पर नजर रखी गयी है. उन्होंने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को आईवी इन्फ्यूजन के लिए नई टेंडर प्रक्रिया आयोजित करने का भी निर्देश दिया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कुडलगी की मृत नंदनी, ललिता और सुमाया के घरों का दौरा किया और परिवार के सदस्यों के साथ सांत्वना व्यक्त की। उन्होंने कहा इस मामले से आहत हूं। इस प्रकार की मौतें नहीं होनी चाहिए। भविष्य में ऐसी मौतें न हों, मंत्री ने परिवार के सदस्यों को आश्वासन दिया कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और घटना में हुई खामियों को दूर किया जाएगा। मंत्री दिनेश गुंडुराव ने कहा कि सरकार ने मृतक बैरेंटिस के परिवारों को 2-2 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है और अधिक मुआवजा देने के लिए मुख्यमंत्री से चर्चा की जाएगी।

प्रसूता मौत

मुख्यमंत्री ने रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चामराजनगर। बेल्लारी में प्रसूता के मौत के मामलों की संख्या बढ़कर पांच हो जाने के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को कहा कि विकास आयुक्त की अध्यक्षता में जांच कर रही विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पिछले महीने बेल्लारी में चार प्रसूता महिलाओं की मौत हो गई थी। बेल्लारी मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमसीआरसी) में इलाज करा रही एक अन्य महिला मरीज की बृहस्पतिवार रात मौत हो गई।

सिद्दरामय्या ने यहां एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, ''वहां (बेल्लारी) अब पांचवीं मौत हो गई है। जब चार मौत हुईं, तो मैंने एक बैठक की, हमने कल कैबिनेट की बैठक के दौरान भी इस पर चर्चा की थी। स्वास्थ्य मंत्री (दिनेश गुंडू राव) आज वहां (बेल्लारी) जा रहे हैं, साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी जाएंगे।'' उन्होंने कहा कि प्रसूताओं की मौत का कारण घटिया 'रिंगर लैक्टेट' सॉल्यूशन हो सकता है।

'रिंगर लैक्टेट सॉल्यूशन' रोगियों को आमतौर पर शरीर में पानी की कमी को दूर करने और द्रव संतुलन बनाए रखने के लिए नसों के द्वारा दिया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने पहले ही औषधि नियंत्रक को निलंबित कर दिया है और सॉल्यूशन की आपूर्ति करने वाली कंपनी को भी काली सूची में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है जो इस संबंध में जांच करके रिपोर्ट सौंपेगी।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''रिपोर्ट मिलने के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हमने पहले ही कुछ कार्रवाई की है, रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।''

इस बीच, पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलू के नेतृत्व में भाजपा ने बेल्लारी में विरोध प्रदर्शन किया और सरकार पर मौतों को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप लगाया। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव पर निशाना साधते हुए श्रीरामुलू ने कहा कि मंत्री आज बेल्लारी का दौरा कर रहे हैं, ताकि विपक्ष द्वारा अगले सप्ताह बेलगावी में विधानसभा सत्र के दौरान इस मुद्दे को उठाए जाने पर सरकार अपनी प्रतिष्ठा बचा सके।

श्रीरामुलू ने कहा, ''क्या दो लाख रुपये का मुआवजा पर्याप्त है? ऐसी मौतें रुकनी चाहिए... प्रत्येक मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाना चाहिए।''

बेंगलूरु में शनिवार को बिहार सरकार के स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री मंगल पांडे ने राजभवन में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की।

एचएएल-साई उच्च प्रदर्शन केंद्र बेंगलूरु में बनेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने बेंगलूरु में अत्याधुनिक 'एचएएल-साई उच्च प्रदर्शन केंद्र' बनाने के लिए राष्ट्रीय खेल विकास कोष (एनएसडीएफ) और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के साथ एक समझौता किया है। एचएएल ने शनिवार को एक बयान में कहा कि यह सहयोगात्मक प्रयास एचएएल की कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल के तहत किया गया है।

बयान के मुताबिक एचएएल ने विश्व स्तरीय सुविधाएं देने और भारत के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का समर्थन करने को एक मंच बनाने के लिए साई के साथ साझेदारी की है। यह केंद्र खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को बढ़ावा देगा।

कोविड घोटाले को लेकर तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तत्कालीन सरकार के समय कोविड-19 महामारी के दौरान उपकरणों एवं दवाओं की खरीद में कथित अनियमितताओं की जांच करने वाली न्यायमूर्ति माइकल डी कुन्हा आयोग की सिफारिशों पर कार्रवाई करते समय किसी को राजनीतिक रूप से निशाना नहीं बनाया जाएगा।

शिवकुमार ने कहा कि अधिकारियों को ''तथ्यों के आधार पर'' कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट पर विचार करने, ''मार्गदर्शन और आगे की कार्रवाई करने'' के लिए आधिकारिक स्तर पर एक अलग समिति बनाई जाएगी, जिसमें कुछ सेवानिवृत्त अधिकारी भी शामिल होंगे। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करने के लिए शिवकुमार की अध्यक्षता में गठित मंत्रिमंडलीय उप-समिति की शनिवार को यहां समीक्षा बैठक हुई।

शिवकुमार ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, आज हमने कैबिनेट उप-समिति की दूसरी बैठक की...हमने केवल समीक्षा की है। हमने अधिकारियों से न्यायमूर्ति माइकल डी कुन्हा आयोग की रिपोर्ट की सिफारिशों और निष्कर्षों के आधार पर कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों पर विभागीय जांच प्रक्रियाओं के अनुसार की जाएगी। शिवकुमार ने कहा, न्यायमूर्ति कुन्हा ने कुछ लोगों के खिलाफ आपराधिक जांच की भी सिफारिश की है, वह भी अलग से की जाएगी... कानूनी तौर पर जो भी करना होगा - जैसे प्राथमिकी दर्ज करना या अनुशासनात्मक कार्रवाई करना या कुछ और, वह कानून के अनुसार किया जाएगा। उप-समिति बेलगावी में एक बार फिर बैठक करेगी और जांच में प्रगति की समीक्षा करेगी। शिवकुमार ने कहा, कैबिनेट उप-समिति सीधे तौर पर इसमें शामिल नहीं होगी। जो भी प्रक्रिया होगी, अधिकारी उसे स्वयं करेंगे... हम (सरकार) किसी को निशाना बनाने की कोशिश नहीं करेंगे, लेकिन हम रिपोर्ट में जो कुछ भी है, उसे दबा नहीं सकते या रिपोर्ट को बंद नहीं कर सकते...हमने अधिकारियों से तथ्यों के आधार पर कार्रवाई करने को कहा है। उन्होंने कहा, हम समिति की सिफारिशों पर विचार कर रहे हैं। अधिकारियों को अधिकार दिए गए हैं और वे अपना कर्तव्य निभाएंगे। न्यायमूर्ति माइकल डी कुन्हा ने प्रारंभिक रिपोर्ट 31 अगस्त को सौंपी थी। इसके बाद सरकार ने रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) और एक कैबिनेट उप-समिति गठित करने का फैसला किया। एसआईटी के गठन के बारे में पूछे गए सवाल पर शिवकुमार ने कहा, आपको पता चल जाएगा। यह प्रक्रिया में है। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने मई 2021 में चामराजनगर के कोविड अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के कारण कई लोगों की मौत के मामले में एक रिपोर्ट को खारिज कर दिया है और हमें इस पर फिर से विचार करना होगा। उन्होंने कहा, हमारी सरकार उस रिपोर्ट से सहमत नहीं है जिसमें कहा गया है कि चामराजनगर अस्पताल में 36 लोगों की मौत के मामले में कुछ भी संदिग्ध नहीं था। हमें इस पर फिर से विचार करना होगा। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और मैंने वहां की स्थिति का आकलन किया था। हम तब 36 पीड़ितों के घर भी गए थे लेकिन तत्कालीन मंत्री (भाजपा सरकार) ने कहा था कि ऑक्सीजन की कमी के कारण केवल तीन लोगों की मौत हुई।

स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने पिछले महीने कहा था कि आयोग ने तत्कालीन मुख्यमंत्री बी एस येडीयुरप्पा और पूर्व मंत्री बी श्रीरामुलू के खिलाफ मुकदमा चलाने की सिफारिश की है। यह पूछे जाने पर कि क्या रिपोर्ट में येडीयुरप्पा और श्रीरामुलू के अलावा अन्य नाम भी हैं, शिवकुमार ने कहा, मैं किसी नाम का खुलासा नहीं करना चाहता...अधिकारी इसकी जांच करेंगे, हम नहीं।

बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर विपक्ष में रोष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलोर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी लिमिटेड शहर में बिजली दरें बढ़ाने पर विचार कर रही है। कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री केलाचंद्र जोसेफ जॉर्ज का कहना है कि यह एक नियमित प्रक्रिया है, लेकिन विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार पर लगातार निशाना साध रहा है। बिजली दरों में बढ़ोतरी को लेकर विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष सी. नारायणस्वामी ने कहा, ''सरकार का इरादा कीमतें और बढ़ाने का है। सरकार का खजाना खाली हो गया है। उनके पास पैसे नहीं हैं। विकास के नाम पर कुछ नहीं है। यह घोटाला है, और यह सरकार घोटालों की सरकार है। सरकार को बचाने के लिए पैसे जुटाने का कोई न कोई तरीका तो चहिए। इसके लिए लोगों पर टैक्स लगाया जा रहा है। ऐसे में बिजली, पानी की कीमतें बढ़ाई जा रही हैं। यह सरकार इस तरीके से ही चल रही है।''

भाजपा नेता ने कहा, ''सरकार 200 यूनिट तक बिजली फ्री दे रही है, मगर बिल औसत से ऊपर जा रहा है। अब ऐसे में बिजली की दरें बढ़ाई जा रही हैं। सरकार लोगों का खून चूसने के लिए तैयार है। हमें समझना चाहिए कि यह एक 'घोटाला सरकार' है और इसे हटाना चाहिए।''

राज्य सरकार के विश्वविद्यालय में मुख्यमंत्री को चांसलर बनाने के कदम पर नारायणस्वामी ने कहा, ''सीएम के पास इतनी पावर नहीं है, क्योंकि वह घोटाले में फंसे हुए हैं। घोटाले में फंसने के बाद और शक्ति हासिल करने के लिए अब वह शिक्षा विभाग को भी अपने कब्जे में करना चाहते हैं। यह सब सही नहीं चल रहा है, और यह अब ज्यादा दिन नहीं चलेगा। हमें इसके खिलाफ खड़ा होना होगा।'' वहीं, बिजली दरों के बारे में ऊर्जा मंत्री केलाचंद्र जोसेफ जॉर्ज ने कहा कि इन कीमतों से आम जनता प्रभावित नहीं होगी। राज्य सरकार पहले ही 200 यूनिट तक फ्री बिजली दे रही है।

संवैधानिक राज्यपाल पद का अपमान करना राज्य सरकार की उपलब्धि रही : प्रह्लाद जोशी

गत 20 महीनों में कांग्रेस सरकार ने क्या किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक राज्य में कांग्रेस सरकार आए 20 महीने हो गए, वह क्या कर रही है? केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि यह राज्यपाल जैसे संवैधानिक पद का अपमान करने में जुटी है। आज बेंगलूरु में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्यपाल की शक्तियों में कटौती की जा रही है। क्या यह उनके संविधान का सम्मान करने का कदम है? उन्होंने कहा कि मुडा घोटाले की जांच की अनुमति देकर राज्यपाल ने अपने अधिकारों में कटौती कर संवैधानिक पद का अपमान किया है।

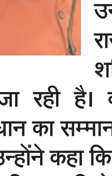

जोशी ने मुख्यमंत्री पर बरसते हुए कहा कि राज्यपाल के पत्र का जवाब न देकर और सरकारी कार्यक्रमों में राज्यपाल को न बुलाकर उन्होंने संवैधानिक पद का अपमान किया है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या सब कुछ अवैध और अनौपचारिक रूप से कर रहे हैं। हालांकि मुडा साइट शेयरिंग पर कब्जा कर रहा है, लेकिन वह नैतिक जिम्मेदारी से इस्तीफा नहीं दे रहे है। उन्होंने उन पर आत्म-तुष्ट पाखंड दिखाने का आरोप लगाया। मंत्री जोशी ने पूछा कि हाई कोर्ट ने राज्यपाल की अनुमति को सही माना और फैसले में साफ कहा कि मुख्यमंत्री के प्रभाव के बिना मुडा में इतनी बड़ी संख्या में जगह आवंटित नहीं की जा सकती। साथ ही एक-एक कर अवैधताएं अभी भी सामने आ रही हैं। फिर भी मुख्यमंत्री इस तरह से सीएम की कुर्सी पर बैठे हैं? उन्होंने कहा कि पिछली भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री रहे बीएस येडीयुरप्पा ने राज्यपाल द्वारा जांच आदेशदेते हुए इस्तीफा दे दिया था। हालांकि सिद्दरामय्या उस नैतिकता का पालन नहीं कर रहे हैं।

कर्नाटक में कोई सत्ता की साझेदारी का कोई समझौता या फॉर्मूला नहीं : शिवकुमार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि पार्टी में किसी को भी उनके और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के बीच सत्ता साझेदारी के किसी 'समझौते या फॉर्मूले' के बारे में बात नहीं करनी चाहिए क्योंकि ऐसा कुछ भी नहीं है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वे एक तरह की ''राजनीतिक समझ'' के साथ काम कर रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार का यह बयान सिद्दरामय्या द्वारा उनके (शिवकुमार) इस दावे को खारिज करने के कुछ दिनों बाद आया है कि दोनों नेताओं के बीच सत्ता-साझाकरण समझौता है।

शिवकुमार ने कहा, ''किसी को भी किसी तरह के समझौते की बात नहीं करनी चाहिए। कोई भी फॉर्मूला (सत्ता-साझा करने का फॉर्मूला) या ऐसा कुछ भी नहीं है। हम दोनों एक तरह की राजनीतिक समझ के साथ काम कर रहे हैं। मैंने कभी किसी फॉर्मूले के बारे में बात नहीं की, ऐसा कुछ भी नहीं है।''

उन्होंने कहा, ''कुछ जिम्मेदारी मुख्यमंत्री को सौंपी गई है और कुछ मुझे सौंपी गई है। मैं उसी के अनुसार काम कर रहा हूं।'' शिवकुमार ने हाल ही में एक समाचार चैनल से कहा था कि सत्ता में आने से पहले उनके (सिद्दरामय्या और शिवकुमार) बीच समझौता हुआ था, जिस पर सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा कि ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ था और वह आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। सिद्दरामय्या की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री जो भी कहेंगे वह अंतिम होगा, इस पर कोई आपत्ति नहीं है।

एससी बेंगलूरु ने आई लीग में अपनी पहली जीत दर्ज की

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शनिवार को नागरिकों से सशस्त्र बल झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान देने का आह्वान किया, जो युद्ध विधवाओं, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण और पुनर्वास के लिये है। गहलोत ने यहां राजभवन में आयोजित सशस्त्र सेना झंडा दिवस कार्यक्रम के दौरान यह अपील की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, गहलोत ने देश की संप्रभुता और अखंडता को बनाए रखने के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने सशस्त्र बल झंडा दिवस के महत्व पर जोर दिया, क्योंकि यह भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति गहरा सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जो देश की सुरक्षा के लिए सतर्क रहते हैं।

राज्यपाल ने कहा, भारतीय सेना की एक विशिष्ट विरासत है और इसे दुनिया की सबसे बेहतरीन सेनाओं में से एक माना जाता है।

उन्होंने कहा, ''हमारे सैनिक न केवल संघर्षों के दौरान देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं, बल्कि संकटों और आपदाओं के दौरान अमूल्य सहायता भी प्रदान करते हैं।'' गहलोत ने सैनिकों, युद्ध विधवाओं और भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण एवं पुनर्वास को बढ़ावा देने में भारत सरकार के समर्पित प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में राज्य और जिला सैनिक बोर्डों के साथ-साथ रक्षा मंत्रालय के भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग की भूमिका की सराहना की।

राज्यपाल ने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण की भी सराहना करते हुए कहा, आज हमारी सेना आधुनिक प्रौद्योगिकी और उन्नत हथियारों से लैस है और हमें इस प्रगति पर बहुत गर्व है। उन्होंने गैर सरकारी संगठनों, उद्योगपतियों और कॉर्पोरेट निकायों से आग्रह किया कि वे सहायता कार्यक्रम तैयार करके पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों की सहायता करने में सक्रिय रूप से भाग लें।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में योगदान से देश की सेवा करने वालों की शिक्षा, चिकित्सा देखभाल और पुनर्वास जैसी आवश्यक आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलती है। कार्यक्रम के दौरान, राज्यपाल ने सशस्त्र सेना झंडा और सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में सुविधाजनक दान के लिए एक क्यूआर कोड का अनावरण किया। बाद में उन्होंने उपलब्धि हासिल करने वालों को सशस्त्र सेना ध्वज प्रदान कर सम्मानित किया।

एससी बेंगलूरु ने आई लीग में अपनी पहली जीत दर्ज की

बेंगलूरु। पहली बार आई लीग में खेल रहे एससी बेंगलुरु ने शनिवार को यहां डेम्पो स्पोर्ट्स क्लब को 3-1 से हराकर इस प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत दर्ज की। मेजबान टीम के लिए कृष्णानंद सिंह ने पहले मिनट में ही गोल दागा। इसके बाद सलाम जॉनसन सिंह (86वें मिनट) और जॉर्डन लामेला (90+5) ने गोल करके बेंगलूरु की जीत सुनिश्चित की। डेम्पो एससी की तरफ से एकमात्र गोल 43वें मिनट में साईश बागकर ने किया।

डेम्पो एससी ने इससे पहले अपने तीन मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था। उसने इनमें से दो मैच में जीत हासिल की थी जबकि एक मैच ड्रॉ खेला था। यह प्रतियोगिता के वर्तमान सत्र में उसकी पहली हार है।

बेंगलूरु में शनिवार को गवर्निंग काउंसिल की बैठक के दौरान भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या।

युवाओं को हिंदी को वैश्विक भाषा के रूप में बढ़ावा देना चाहिए : सोनोवाल

चेन्नई/दक्षिण भारत। युवाओं को हिंदी का राजदूत बनना होगा और इसे वैश्विक भाषा के रूप में बढ़ावा देना होगा।

केंद्रीय पत्तन, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शनिवार को चेन्नई में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के 83 वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी फिल्मों की लोकप्रियता के कारण हिंदी ने दुनिया भर के लोगों का दिल जीत लिया है। मंत्री ने कहा कि दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना महात्मा गांधी द्वारा वर्ष 1942 में की गई थी और यह संस्था दक्षिण भारत के विभिन्न भागों में भाषा को बढ़ावा देने की अपनी यात्रा जारी रखे हुए है।

उन्होंने कहा कि हिंदी ने देश में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं को अपनाया है और यह भारत की अखंडता और संप्रभुता को बढ़ावा देने वाली एक महान एकीकृत कारक है। उन्होंने कहा कि भाषा में बहुत शक्ति और मानवीयता होती है और इसे बढ़ावा देने के लिए युवाओं में प्रतिबद्धता होनी चाहिए। देश के विभिन्न भागों में लोगों द्वारा बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी भारतीय भाषाएँ भारत के चरणों में जन्मी हैं। उन्होंने कहा कि बोली जाने वाली विभिन्न भाषाएँ एक भारत श्रेष्ठ भारत की आधारशिला हैं।

सुविचार

खुद पर भरोसा करने का हुनर सीख लो. सहारे कितने भी भरोसेमंद हो, एक दिन साथ छोड़ ही जाते है!!

ट्वीट

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट ने 5872.08 करोड़ की अनुमानित लागत से देश में 85 (राजस्थान में 9) नए केंद्रीय विद्यालयों को खोलने की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

-दीया कुमारी

जोधपुर, सर्किट हाउस के पास 'लौह पुरुष' पूज्य सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की आदमक़द प्रतिमा का अनावरण माननीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के करकमलों से कल 8 दिसंबर को होने जा रहा है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कहानी

भ्रम

अपने गंतव्य की ओर बढ़ती ट्रेन रास्ते के किसी शहर के स्टेशन पर यात्रियों के चढ़ने और उतरने के लिए कुछ पलों के लिए ठहर गई थी। रात के समय तेज हवा के साथ काले घने बादलों की आवाजाही से बारिश की तेज बौछारों और बिजली की तेज गड़गड़ाहट में शहर अंधेरे में सिमटकर रह गया था। रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रेन के रवाना होने में थोड़ा वक्त और बाकी था। ट्रेन के अपने सेकंड ऐसी कोच में नेहा बहुत देर से बर्थ पर वह अपनी पुत्री रिंकी की मौजूदगी से , जो अपनी अपर बर्थ पर थकान के कारण शायद सो गई थी , बेख़बर अपने ख्यालों की दुनिया में सिमटकर बैठी थी । तभी उसके हमउम्र , लगभग साठ वर्ष की आयु के , सभ्रांत लगने वाले महिला और पुरुष ने उसके केबिन में प्रवेश किया। सिर पर कम बाल और चेहरे पर घनी सफेद दाढ़ी वाला आकर्षक पुरुष और वह महिला उसके सामने वाली बर्थ पर बैठ गए। उनके आने की आवाज से वह ख्यालों की दुनिया से वर्तमान में लौटी। महिला ने उसकी ओर मुस्कुराते हुए हेलो कहा। शिष्टाचार के नाते उसने भी हेलो कहा। इसके बाद कुछ देर तक केबिन में पसरा सन्नाटा माहौल को और भारी बनाने लगा था।

नेहा के सामने बैठी महिला ने अपना परिचय देते हुए उससे बातचीत का सिलसिला शुरु किया। उसका नाम सरला था। वह नेहा के ही शहर की रहने वाली थी। लेकिन खुद की सरकारी प्रशासनिक नौकरी के कारण अधिकतर समय दूसरे शहरों में बिताने और अब रिटायरमेंट के बाद वह अब अपने पति के साथ स्थायी रुप से अपने शहर रहने के लिए जा रही थी। सरला का पति भी सरकारी महकमे में प्रशासनिक उच्च पद पर नौकरी के बाद रिटायर हो चुका था। सुबह ही वे अपने बेटे - बहू और पोते से मिलकर ओंटेरियो , कनाडा से यहां लौटे थे। वहां उनका स्थायी रुप से रहने का इरादा नहीं था। वह बहुत खुश नजर आ रही थी। नेहा ने बातचीत के दौरान कई बार सरला के पति ओर देखा । लेकिन हर बार वह अपने लैपटॉप पर कुछ काम में व्यस्त नजर आया।

इससे पहले कि नेहा अपने बारे में सरला को कुछ बताती उससे पहले ही बातचीत में सरला के पति का नाम और उसके बारे में कुछ जानकारी मिलते ही नेहा के दिल और दिमाग में अजीब सा बवंडर उठने लगा। नेहा के शरीर में कंपकपी सी होने लगी। उसके सामने बैठा सरला का पति कोई और नहीं कॉलेज के दिनों में नेहा को बेइन्तहा चाहने वाला और उसे अपनी हमसफ़र बनाने के ख़्वाब देखने वाला दोस्त अमर था। जिसे वह लगभग पैंतीस सालों के बाद देखने के बाद पहचान नहीं पाई थी। उसे लगा कि शायद अमर भी उसे नहीं पहचाना था। इतने सालों से वक़्त उन दोनों के शरीर पर अपने निशान छोड़ता हुआ गुजर रहा था। उसने किसी तरह खुद को संभाला और वाशरूम जाने का कहकर वहां से उठ खड़ी हुई। वहां बल्ब की दूधिया मद्धिम रोशनी में आईने में देखा तो उसे अपने चेहरे पर गीली लकीरें और ललाट पर खिंचाव साफ़ नज़र आ रहा था। वह उदास मन और बोझिल कदमों से चलते हुए केबिन में अपनी बर्थ पर बैठ गई। उसकी नम आंखें और मन की उदासी केबिन की मद्धिम रोशनी में उसके अनोखे अनुभव के दर्द को बयां कर रहे थे। ऐसा दर्द जिसे वह किसी के साथ साझा नहीं कर सकती थी और उसे अकेले ही सहना था। अकेलेपन से उसमें अजीब सी कशमकश का बवंडर उठने लगा था। सरला ने जब उसके बारे में जानना चाहा तो नेहा उसे अनमने ढंग से अपने बारे में गलत जानकारी देते हुए सोने का बहाना बनाकर अपनी बर्थ पर लेट गई।

इंसान के जीवन में कई बार ऐसी घटनाएं हो जाती हैं जो उम्रभर कांटे की तरह मन में खटकती रहती हैं और पछताने का मौका भी नहीं देतीं । ऐसा ही एक वाकया उसके साथ भी हुआ जो उम्रभर उसे टीस पहुंचाता रहेगा। अपने इन हालात के लिए खुद जिम्मेवार होने पर उसे आत्मग्लानि होने लगी थी। कम उजाले में खामोश लेटे हुए मानो उसे अपने वजूद का पता ही नहीं था। बेमानी हो चुकी अतीत की ढेर सारी बातें, बिखर चुके देखे हुए ख़्वाब पानी में परिन्दे की तरह उसके जेहन में तैर रहे थे। यह समय यकीनन उसके जीवन का सबसे कमजोर समय था। कुछ ही देर बाद ट्रेन की सीटी बजी और ट्रेन धीमी रफ्तार से अपने गंतव्य की ओर चल दी। वह अपनी बर्थ पर लेटी हुई अपने अंदर झांकने लगी। अपने अंदर सब कुछ होते हुए भी उसे कुछ महसूस नहीं हो रहा था। कुछ देर बाद अपने भीतर उसे बहुत खालीपन महसूस होने लगा था। परेशानियां कभी सूचना देकर नहीं आती। ऐसा ही उसके साथ भी हुआ । जिसने उसकी ज़िंदगी की दशा और दिशा बदलते हुए उसके वजूद को ही हिलाकर रख दिया था। भविष्य को लेकर उसने जो ख़्वाब बुने थे वो अचानक टूटकर तिनका -तिनका बिखर गए थे। उस समय चारों तरफ अचानक पसर गए अंधेरे से शायद उसे अकेले ही लड़ना था। अपनी भावनाओं पर हुए आघातों ने उसे अतीत की हर बात को याद करा दिया । जिसकी फिल्म उसकी आंखों के सामने चलने लगी।

नेहा , राजन और अमर ने ग्रेजुएशन और पोस्टग्रेजुएशन की पढ़ाई साथ में पूरी करी थी। तीनों में गहरी दोस्ती थी। पढ़ाई में राजन और अमर कक्षा में पहले और दूसरे स्थान पर रहते थे।राजन आधुनिक विचारों और सम्पन्न परिवार का सदस्य था। राजन के व्यक्तित्व में एक अजीब सा आकर्षण था। नेहा भी साथ में पढ़ने वाली अन्य लड़कियों की तरह उसकी ओर आकर्षित रहती थी। जबकि स्वभाव से गम्भीर अमर मध्यम वर्गीय परिवार का सदस्य था।पढ़ाई पूरी करने के बाद वह सरकारी एडमिनिस्ट्रेटिव नौकरी पाकर आम नागरिक के और समाज के उत्थान के लिए बहुत कुछ करना चाहता था। अमर की बातों और व्यवहार से नेहा को इस बात का अहसास था कि अमर उसे बहुत चाहता था। नेहा भी उसे पसंद करती थी।

वक़्त अपनी रफ्तार से दौड़ रहा था। गुजरते वक़्त के साथ जिस उम्र में लड़की अपने जीवन साथी के बारे में कई ख़्वाब देखने और बुनने लगती है , उस समय नेहा को अपने अंदर राजन की तरफ आकर्षण के स्पंदन सुनाई देने लगे थे।अपनी पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी होने के बाद भी राजन से मिलना और बात करना उसे अच्छा लगने लगा था। भावनात्मक रुप से उसके नजदीक आ गए राजन का साथ शायद उसकी जरुरत बनता जा रहा था । दोनों के बीच एक दूसरे को पसंद की अबोली और अलिखित भाषा जन्म ले चुकी थी। जबकि जाने अनजाने में अमर पहले उसके सामने समय - समय पर अपनी चाहत का इजहार करता रहा था। उन्ही दिनों अमर की किसी दूसरे शहर के एक सरकारी स्कूल में अध्यापक की नौकरी लग गई । अपनी पारिवारिक परिस्थितियों को देखते हुए उसने यह नौकरी जॉइन भी कर ली।

राजन अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए रिसर्च की तैयारी में लग गया। अमर पत्र के माध्यम से राजन और नेहा से संपर्क में रहता था। राजन और नेहा की मुलाकातें होती रहती थीं। इन मुलाकातों के चलते अपने सुनहरे और सुरक्षित भविष्य का सोचते हुए नेहा ने राजन द्वारा दिए गए विवाह के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। अमर को उनके विवाह की सूचना मिलने के बावजूद वह वैवाहिक कार्यक्रम में नहीं आया। उसके बाद नेहा और राजन का अमर से कभी कोई संपर्क नहीं रहा और उसके बारे में कोई जानकारी भी नहीं रही।

नेहा एक आदर्श गृहणी की तरह राजन के साथ अपना जीवन व्यतीत कर खुश थी। उनके विवाह का पहला साल पूरा होने से पहले ही नेहा की गोद में रिंकी की किलकारियां सुनाई देने लग गई थीं। राजन अपनी रिसर्च से संबंधित कार्य के लिए जाने का कहकर कुछ महीनों बाद ही अकेला विदेश चला गया।वहां जाने के बाद शुरुआत के कुछ महीनों बाद तक तो राजन सप्ताह में एक या दो बार उससे फोन पर बात कर लेता था। नेहा ने इसे राजन की कार्य में व्यस्तता को समझते हुए ज्यादा गौर नहीं किया। जब राजन के फोन आने ही बंद हो गए तो नेहा को बहुत चिन्ता हुई। उसने जब संबंधित विश्वविद्यालय से इस विषय में सम्पर्क किया तो उन्होने किसी तरह की मदद करने में अपनी असमर्थता जाहिर कर दी। क्योंकि विश्वविद्यालय में राजन की रिसर्च का काम बहुत पहले ही पूरा हो चुका था। यहां रह रहे राजन के परिवारजनों की तरह हैरान और परेशान नेहा को समझ ही नहीं आ रहा था कि वह क्या करे ? उस समय विदेश में राजन कहां और किस हाल में था इसका किसी को कुछ पता नहीं था। फिर भी अपनी तरफ से वह उसका पता लगाने का हर संभव प्रयास करती रही। इन सबमें कुछ महीने और बीत गए।

एक दिन नेहा के पास आई फोन कॉल ने उसकी ज़िंदगी की दशा और दिशा ही बदल दी। वह कॉल राजन की थी। राजन को विदेश में नौकरी मिल गई थी। और उसने विदेश में वहां की लड़की से विवाह कर वहीं रहने का फैसला कर लिया था। उसने नेहा और रिंकी को खुद से सभी बंधनों से मुक्त करने का भी कह दिया। यह सुनते ही उसकी ज़िदगी में भूचाल सा आ गया। उसे अहसास हुआ मानो गरम हवा का कोई झोंका उसे झुलसा रहा था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे ? उसकी आंखों से आंसू ढुलकने लगे। उसने राजन को दर्द भरी आवाज में कहा इसका मतलब इतने वर्षों के हमारे विश्वास के संबंध में अपने इन विचारों के साथ तुम मेरे मन ,सम्मान और भावनाओं के साथ खिलवाड़ करते रहे। बड़ा अफ़सोस हो रहा है मुझे मैं तुम्हारी आंखों की भाषा पढ़ ही नहीं पाई।मैंने तुम पर विश्वास किया और तुमने मेरे विश्वास को ही पंगु बना दिया। मुझे ही दृष्टि भ्रम हो गया था जो तुम्हे पहचाने में भूल कर दी। तुम्हारे एक रुप के पीछे कितने रुप छिपे हैं मुझे पता नहीं था। तुम्हारा मासूम से चेहरे के पीछे घिनौने विचारों वाला असली चेहरा मेरे सामने आ गया है। उसने राजन को बहुत खरी-खोटी सुनाई परन्तु उस पर इसका कोई असर नही हुआ।

उसके अंदर एक कसक सी उठी मानो बहुत कुछ दरक गया था। उसका शरीर कांपने लगा था और पसीने से भीग गया था। राजन उसे ऐसा दर्द देकर गया था जिसके इजहार और फरियाद की कोई जगह नहीं थी। उसे समझ आ गया था कि वह राजन का कुछ नहीं बिगाड़ सकती, जिसने उसकी भावनाओं और विश्वास के साथ खिलवाड़ किया था।सामाजिक और पारिवारिक धरातल पर उसे अपने संबंध के सारी धुंधली हक़ीकत साफ़ नज़र आने लगी थी। सब कुछ जान लेने और समझ लेने के बाद भी उसके अंदर अजीब सी बेचैनी थी। निराशा के विचारों के द्वंदों का समाधान उसके अपने और रिंकी के वजूद को बचाकर और अपनी सार्थकता सिद्ध करके ही हो सकता था। राजन का उसे कहा गया एक-एक शब्द उसके जेहन में गूंजता रहता था। उसे लगने लगा कि उसकी जिंदगी कुछ समय के लिए शायद भटक गई थी। पुरुषों के प्रति उसके दिल और दिमाग में नकारात्मक धारणा बन जाने के कारण उसने दूसरा विवाह नहीं किया। इस घटना के बाद ससुराल वालों के लाख मना करने के बावजूद वह रिंकी के साथ अपने पीहर आकर रहने लग गई । उस वक़्त उसके पीहर वालों ने उसे सहारा दिया। उसने बीएड की पढ़ाई पूरी करी।कुछ समय बाद कॉलेज में उसकी लेक्चरर की नौकरी लग गई। पिछले साल ही वह कॉलेज प्रिंसीपल के पद से रिटायर हुए थी। उसने रिंकी को भी मेडिकल की उच्च शिक्षा दिलाई । रिंकी और उसका डॉक्टर पति उसके शहर के ही एक मेडिकल कॉलेज में लेक्चरर के पद पर कार्य कर रहे थे। नेहा अपनी बेटी - दामाद , दोहिते के साथ ही रहती थी। रिंकी के साथ इस शहर वह अपनी सहेली के पोते के मुंडन संस्कार में आई थी।

जिस तरह हर गुजरता लम्हा अहसास के निशान छोड़ जाता है उसी तरह उसे भी अहसास होने लगा था कि राजन के साथ उसके संबंध सर्द मौसम में तालाब के पानी पर जमी बर्फ की परत की तरह उसके लिए भ्रामक तो नहीं थे ? इंसान को लगता है वह पानी पर बर्फ की परत पर चढ़कर तालाब पार कर लेगा ,लेकिन यह संभव नहीं हो पाता। क्योंकि बर्फ की परत एक तरह का छलावा ही है। कहीं पर मजबूत तो कहीं पर कम मजबूत ।कम मजबूत वाली जगह इंसान का पैर पड़ते ही वह टूट जाती है और इंसान तालाब में डूबने लगता है। जिसको तैरना आता है वह तो तैरकर किनारे आ जाता है , नहीं तो डूब जाता है। इतना वक़्त गुजर जाने के बाद राजन के बारे में कोई पता नही था कि वह कहां और कैसा था ? जिसके नाम का सिन्दूर वह आज भी अपनी मांग में भरती थी , उस राजन ने नेहा और रिंकी के बारे में जानने की कभी कोशिश नहीं करी। गुजरते वक़्त के साथ इंटरनेट के आधुनिक युग में नेहा द्वारा कभी उसकी तलाश की इच्छा ही नहीं रही थी। जिस राजन का नेहा ने अपने सुरक्षित भविष्य की उम्मीद में हाथ थामा था , वह उसे ज़िंदगी के सफ़र में बीच में छोड़ किसी अनजान जगह पर अपनी ज़िंदगी अपने तरीके से जी रहा था। जिस अमर का उसने साथ छोड़ा था वह आज , सरला के अनुसार , उसके सामने सफल जीवन व्यतीत करता हुआ नजर आ रहा था।

यह सब सोचते हुए उसे कब आंख लग गई पता ही नहीं चला। अचानक उसकी आंख खुली तो उसने देखा कि सुबह होने के साथ ही ट्रेन उसके शहर के रेलवे स्टेशन पहुंच चुकी थी। प्लेटफॉर्म पर अपना सामान रखकर उसने सरला और अमर से विदा लेनी चाही। सरला ने उसे अपने घर का पता बताते हुए कभी आने के लिए कहा। अमर कुछ कदम आगे चलने के बाद नेहा की तरफ वापिस आया और नम आंखों से उसकी ओर देखते हुए कहा , नेहा , अपना ध्यान रखना .... यह कहकर तेज कदमों से वह चला गया। नेहा इससे पहले कुछ कह पाती अमर और सरला उसकी आंखों से प्लेटफॉर्म पर भीड़ में ओझल हो चुके थे। नेहा ने नम आंखों से ऊपर देखा तो आसमान साफ था। उसके मन से भ्रम के कारण दु:ख के बादल छंट चुके थे।

सुधीर केवलिया
संपर्क : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

सहजता

सहज सहज सब कोई कहै, सहज न चीन्हैं कोय।
जिन सहजै विषया तजै, सहज कहावै सोय।।

कबीरदास जी लिखते हैं कि सहज-सहज सब कहते हैं, परन्तु सहजता को समझते या पहचानते नहीं। जिन्होंने सहजरूप से विषय-वासनाओं का परित्याग कर दिया है, कामनाओं से मुक्त हो गये हैं, वे ही सहज हैं। व्यापक परिप्रेक्ष्य में विचार करें तो जीवन सरल है पर सिक्के का दूसरा पहलू है कि सरल होना, सबसे कठिन है। सरलता पर कुटिलता के अतिक्रमण ने मनुष्य की कुलीनता को ही ढक दिया है। मनुष्य कुल का होना बुद्धि के वरदान से सम्पन्न होना है पर मनुष्य अपने बनाये कृत्रिम मानकों की रक्षा में जीवन भर मुखौटे लगाकर जीता है, चेहरे पर चेहरे चढ़ाकर जीता है।

केंचुली उतारते साँप को देखा,
कौन अधिक विषधर,
चेहरे चढ़ाते इंसान को देखा...!

मंच या परदे पर कलाकार मुखौटा लगाने को विवश है। वह भूमिका समाप्त होते ही मुखौटा निकाल देता है पर निजी जीवन में प्रतिदिन, निरंतर, अविराम मुखौटा लगाता है आदमी। अधिकांश मामलों में मुखौटा लगाये-लगाये ही उसकी मृत्यु भी हो जाती है, अर्थात जीवन के विराम लेने तक लगा रहता है मुखौटा अविराम।

सहज होना, सरल होना, सत्य के साथ होना। यूँ भी 'सहज' का शाब्दिक अर्थ देखें तो 'सह' याने साथ में और 'ज' याने जन्मा। सृष्टि का होना, उसमें उसके एक घटक मनुष्य का होना, परम सत्य है। सत्य के जगत में लुकाव-छिपाव हो ही नहीं सकता। पक्षी और प्राणी जगत इस सत्य के साथ जीवन व्यतीत करता है। अपवाद केवल मनुष्य है। मनुष्य जो दिखता है, अधिकांश मामलों में वह होता नहीं। बेहतर होने के बजाय बेहतर दिखने, बेहतर प्रदर्शित होने की लिप्सा, उसे सत्य से असत्य, सरल से कठिन, सहज से जटिल की ओर ले जाती है। ओढ़ी हुई यह जटिलता मनुष्य के जीवन-आनंद को नष्ट करती है। धारा को रोक दिया तो प्रवाह का नाश अवश्यंभावी है।

'पाखंड' शीर्षक की अपनी कविता स्मरण आ रही है,
मुखौटों की/ भीड़ से घिरा हूँ,
किसी चेहरे तक/ पहुँचूँगा या नहीं
....प्रश्न बन खड़ा हूँ,
मित्रता के मुखौटे में/ शत्रुता छिपाए,
नेह के आवरण में/ विद्वेष से झल्लाए,
शब्दों के अमृत में/ गरल की मात्रा दबाए,
आत्मीयता के छद्म में/ ईर्ष्या से बौखलाए,
मनुष्य मुखौटे क्यों जड़ता है,
भीतर-बाहर अंतर क्यों रखता है?
मुखौटे रचने-जड़ने में/ जितना समय बिताता है
जीने के उतने ही पल / आदमी व्यर्थ गंवाता है,
श्वासोच्छवास में कलुष ने
अस्तित्व को कसैला कर रखा है,
गंगाजल-सा जीवन जियो मित्रो,
पाखंड में क्या रखा है..?

जीवन को गंगाजल-सा रखो ताकि धारा बनी रहे, प्रवाह बना रहे, जीने का आनंद धाराप्रवाह रहे।

बोध कथा

बाबापुर की रामलीला

तेनालीराम हमेशा अपनी बुद्धिमता से सबका मन जीतने के लिए जाने जाते थे। आए दिन राज्य पर आई किसी न किसी समस्या को सुलझाने के लिए वे अपना दिमाग लगाया करते थे। इसी तरह जब एक बार दशहरा पर नाटक मंडली विजयनगर नहीं पहुंच पाई, तो तेनाली ने क्या किया, आइए जानते हैं। काशी की एक नाटक मंडली हमेशा दशहरे से पहले विजयनगर आया करती थी। यह नाटक मंडली विजयनगर में रामलीला किया करती थी और नगर वासियों का मनोरंजन किया करती थी। यह एक तरह से विजयनगर की संस्कृति थी और ऐसा हर साल हुआ करता था, लेकिन एक साल ऐसा आया जब काशी नाटक मंडली के कई सदस्य बीमार पड़ गए और उन्होंने कह दिया कि वो विजयनगर नहीं आ पाएंगे। यह सुनकर महाराज कृष्णदेव राय और सारी प्रजा बहुत उदास हो गई।

दशहरे को अब सिर्फ कुछ ही दिन बाकी थे और ऐसे में किसी और नाटक मंडली को बुलाकर रामलीला का आयोजन करवाना बहुत मुश्किल था। दरबार के मंत्रियों और राजगुरु ने आसपास के गांव की नाटक मंडली को बुलाने की कोशिश की, लेकिन किसी का भी आ पाना बहुत मुश्किल था। सबको निराश देख तेनालीराम ने कहा, मैं एक नाटक मंडली को जानता हूं। मुझे यकीन है कि वो विजयनगर में रामलीला करने के लिए जरूर तैयार हो जाएंगे। तेनाली की यह बात सुनकर सब खुश हो गए।

इसके साथ ही राजा ने तेनाली को मंडली बुलाने की जिम्मेदारी सौंप दी और तेनाली ने भी रामलीला की तैयारी करना शुरू कर दी। विजयनगर को नवरात्र के लिए सजाया गया और रामलीला मैदान की साफ-सफाई करवा कर वहां बड़ा-सा मंच बनवाया गया। उसी के साथ मैदान पर बड़ा-सा मैला भी लगवाया गया। जब नगर में रामलीला होने की खबर फैली, तो सारी जनता रामलीला देखने के लिए उत्सुक हो गई। रामलीला वाले दिन सभी लोग रामलीला देखने के लिए मैदान में इकट्ठे हो गए। वहीं, महाराज कृष्णदेव राय, सभी मंत्रीगण और सभा के अन्य सदस्य भी वहां मौजूद थे। सभी ने रामलीला का खूब मजा उठाया। जब नाटक खत्म हो गया, तो सभी ने उसकी बहुत तारीफ की। खासकर, नाटक मंडली में मौजूद बच्चों की कलाकारी सभी को बहुत पसंद आई थी। महाराज सभी से इतना खुश थे कि उन्होंने पूरी नाटक मंडली को महल में खाना खाने का न्योता दे दिया।

जब पूरी मंडली महल आई, तो सभी ने महाराज, तेनाली और अन्य मंत्रीगण के साथ भोजन किया। इस दौरान महाराज ने तेनालीराम से पूछा कि उन्हें इतनी अच्छी मंडली कहां से मिली? इस पर तेनाली ने उत्तर दिया, ये मंडली बाबापुर से आई है, महाराज। बाबापुर? इस जगह का नाम तो हमने कभी नहीं सुना। कहां है ये?, महाराज ने आश्चर्य से पूछा। यहीं विजयनगर के पास ही है, महाराज। तेनाली की यह बात सुनकर मंडली के सदस्य मुस्कुराने लगे। इस पर महाराज ने उनसे मुस्कुराने की वजह पूछी, तो मंडली का एक बच्चा बोला, महाराज, हम विजयनगर के ही रहने वाले हैं। इस मंडली को तेनाली बाबा ने तैयार करवाया है और इसलिए हमारा नाम बाबापुर की मंडली है। बच्चे की यह बात सुनकर महाराज सहित सभी लोग ठहाके लगाने लगे।

वीर गाथा

कर्नल ललित राय: कारगिल की पहाड़ियों पर गूंजी दहाड़, 'खुकरी' से करवाया घुसपैठियों का संहार

कर्नल ललित राय का जन्म 24 अगस्त, 1956 को उत्तराखंड (तब उप्र) के देहरादून में हुआ था। उनके पिता टीबी राय भी बतौर मेजर 11 गोरखा राइफल्स रेजिमेंट में सेवा दे चुके हैं। ललित राय ने अपनी स्कूली शिक्षा बेंगलूरु में पूरी की थी। इसके बाद इसी शहर से बीएससी की। उन्होंने खेलकूद में गहरी रुचि के कारण कई बार अपनी टीम का प्रतिनिधित्व किया था।

ललित राय को 11 गोरखा राइफल्स की 7वीं बटालियन में 3 सितंबर, 1977 को कमीशन मिला था। उन्होंने कारगिल युद्ध में अत्यंत वीरता का प्रदर्शन किया था। ऑपरेशन विजय के दौरान कर्नल ललित राय को बटालिक उप-सेक्टर में खालूबार की रणनीतिक और दुर्जेय ऊंचाइयों पर कब्जा करने का जिम्मा सौंपा गया था। भारतीय सैनिक आगे बढ़ने के दौरान दुश्मन की गोलाबारी से घिर गए थे।

चूंकि पाकिस्तानी घुसपैठिए ऊपर काफी सुरक्षित जगहों पर बैठे थे। वे दिन के उजाले में भारतीय सैनिकों को आसानी से देखकर गोलाबारी कर सकते थे। इस खतरे को ध्यान में रखते हुए ललित राय कुछ सैनिकों का नेतृत्व करते हुए चोटी पर पहुंचे।

उनकी गतिविधियों पर दुश्मन की नजर पड़ी। उसने तीन तरफ से भारी हमला किया। उस दौरान कर्नल ललित राय घायल हो गए थे। उनका घुटना लहूलुहान हो गया था। उन्होंने इसके बावजूद अपने सैनिकों को खूब प्रोत्साहित किया और वे दुश्मन पर टूट पड़े।

भारतीय सैनिकों ने जिस ताकत के साथ धावा बोला, उससे दुश्मन के पांव उखड़ गए। वहां भारतीय सेना ने दोबारा कब्जा कर लिया था। इससे बटालिक उप-क्षेत्र की लड़ाई में निर्णायक मोड़ आ गया था। उसके बाद पाकिस्तानी घुसपैठिए मैदान छोड़कर भागने लगे थे।

उस लड़ाई में ललित राय के नेतृत्व में भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान के 25 फौजी ढेर किए थे। यही नहीं, बड़ी संख्या में स्टिंगर मिसाइलें, एयर डिफेंस गन और महत्त्वपूर्ण दस्तावेजों सहित विस्फोटक सामग्री जब्त की गई थी। इस उपलब्धि के लिए कर्नल ललित राय को वीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

उनके साक्षात्कार देशवासियों में जोश भर देते हैं। कर्नल राय ने बताया था कि जब बड़ी संख्या में पाकिस्तानी घुसपैठिए काफी नजदीक आ गए थे तो भारतीय सैनिकों ने 'खुकरी' नामक धारदार हथियार से उनका संहार किया था।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यात्रा

अमृतसर में जगन्नाथ यात्रा (धार्मिक जुलूस) में श्रद्धालु हिस्सा लेते हुए।

'मिर्जापुर: द फिल्म' बहुत धमाकेदार होगी: श्वेता त्रिपाठी

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने कहा है कि 'मिर्जापुर: द फिल्म' काफी ''धमाकेदार'' होगी और इसमें अपराध एवं हिंसा जैसे मुद्दों पर समाज को आईना दिखाने से परहेज नहीं किया जाएगा।

वर्ष 2026 में रिलीज होने वाली यह फिल्म 'मिर्जापुर' शृंखला का सिनेमाई विस्तार है और इसमें कालीन भैया, गुड्डु पंडित और मुन्ना त्रिपाठी जैसे लोकप्रिय किरदारों को विस्तार से दिखाया जाएगा।

'मिर्जापुर' में गजगामिनी गुप्ता उर्फ गोलू की भूमिका निभाने वाली त्रिपाठी ने 'पीटीआई-भाषा' से साक्षात्कार में कहा, ''मुझे लगता है कि यह काफी धमाकेदार होगी। इसे अभी लिखा जा रहा है और हमें धीरे-धीरे पता चल रहा है कि क्या हो रहा है लेकिन मुझे लगता है कि यह साफ-सुथरी नहीं होगी। मुझे लगता है कि यह एक वयस्क फिल्म होगी और हमें यह दिखाने में सक्षम होना चाहिए कि (समाज में) क्या हो रहा है। ''जब लोग अपनी आंखें बंद कर लेते हैं और असहज महसूस करते हैं तो उन्हें यह महसूस करना चाहिए कि हर बार अपना मुंह घुमा लेने और इसे स्वीकारने से इनकार कर देने से ये घटनाएं रुकती नहीं हैं।'' त्रिपाठी ने कहा कि किसी भी सफल शो की रीढ़ लेखन है और यह बात 'मिर्जापुर' के लिए भी सही है।

उन्होंने कहा, ''मुझे (मिर्जापुर के) किरदारों की यह बात पसंद है कि कोई भी व्यक्ति जन्म से बुरा नहीं है और मैं यह इसलिए कह रही हूं क्योंकि मैंने न केवल अपने बल्कि मुन्ना के किरदार से भी यह बात समझी। वह अपने पिता का प्यार और मान्यता चाहता था लेकिन उसे जब वह नहीं मिला तो उसने अपना सारा गुस्सा और हताशा दूसरे लोगों पर निकाली।''

आस्ट्रेलिया और विदेश में बढ़ रही है युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की दर

सिडनी। जब 'फाइव आइज' गुप्तचर समुदाय के पांच देशों की पुलिस और खुफिया एजेंसियां एक साथ मिलकर एक रिपोर्ट जारी करती हैं, तो यह एक महत्वपूर्ण घटना होती है। छह दिसंबर को जारी की गई यह रिपोर्ट अपनी तरह की पहली रिपोर्ट है। यह उल्लेखनीय है कि यह युवा कट्टरपंथ पर केंद्रित है, जिसमें ऑनलाइन मंच में शामिल होने के माध्यम से युवाओं के कट्टरपंथी बनने के मामले का अध्ययन किया गया है। जैसा कि ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) ने बताया है, इस साल ऑस्ट्रेलिया में आतंकवाद-रोधी हर मामले में नाबालिग या बहुत कम उम्र के वयस्क शामिल रहे हैं। एएसआईओ का कहना है कि उसके प्राथमिकता वाले आतंकवाद-रोधी मामलों में से लगभग 20 प्रतिशत में नाबालिग शामिल हैं।

पिछले चार सालों में, एएफपी और उसके पुलिस सहयोगियों ने नाबालिगों से जुड़ी 35 आतंकवाद रोधी जांच की है, जिनमें सबसे छोटा बच्चा सिर्फ 12 साल का था। अधिकतर मामलों में आरोप तय किए गए हैं। 14 और 16 साल के दो किशोरों को दोषी ठहराया गया है।

दुखद बात यह है कि जब तक पुलिस जांच शुरू होती है, तब तक जीवन बदल देने वाले अभियोजन और कानूनी कार्रवाई से बचना अक्सर मुश्किल होता है। इसलिए अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और ब्रिटेन को शामिल करते हुए यह रिपोर्ट एक चेतावनी है। यह माता-पिता, शिक्षकों और किशोरों के साथ काम करने वाले अन्य लोगों से ऑनलाइन कट्टरपंथ के संकेतों पर ध्यान देने के लिए कहता है।

यह अफसोसजनक है कि रिपोर्ट इन प्रारंभिक चेतावनी संकेतों को स्पष्ट करने का बेहतर काम नहीं करती लेकिन इरादा ईमानदार है और इसकी तत्काल आवश्यकता है। ऑस्ट्रेलिया में, सामुदायिक कार्यकर्ता और पुलिस ने लंबे समय से व्यवहार में होने वाले तीन बदलावों पर ध्यान केंद्रित किया है:

अभिव्यक्त विचारधारा या विश्वास में बदलाव, रिश्तों में बदलाव, जिसमें नई मित्रता और पुराने दोस्तों से अचानक नाता तोड़ना शामिल है। असामान्य व्यवहार से जुड़े कार्यों में असामान्य बदलाव, जैसे कि स्कूल में या संभवतः पुलिस के साथ टकराव होना। जब इन क्षेत्रों में एक साथ बदलाव हो रहा होता है, तो युवा व्यक्ति के जीवन में कुछ ऐसा होने की संभावना अधिक होती है, जैसे कि उसे तैयार करना और कट्टरपंथी बनाना, जिसके लिए हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है।

किशोरों के जीवन में इस तरह के बदलाव आम हैं लेकिन तीनों का एकसाथ होना, खासकर जब समय के साथ बदलाव का स्तर बढ़ता है, यह एक अच्छा संकेत है कि अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। सौभाग्य से, ऑस्ट्रेलिया में, विशेष रूप से विक्टोरिया और न्यू साउथ वेल्स के बड़े प्रांतों में, पुलिस के माध्यम से मदद प्राप्त करने के लिए अच्छी व्यवस्थाएं हैं। इसमें मनोवैज्ञानिकों और युवा कार्यकर्ताओं जैसे प्रशिक्षित पेशेवरों को शामिल होते हैं।

सबसे पहले, यह निर्धारित करने में मदद की जा सकती है कि क्या हो रहा है, किस तरह की समस्या है और यदि आवश्यक हो, तो प्रारंभिक हस्तक्षेप किया जा सकता है।

इस तरह के प्रारंभिक हस्तक्षेपों में जनता की मदद से, भले ही इसमें पुलिस के साथ संपर्क करना शामिल हो, हम कानून-प्रवर्तन प्रणाली और आपराधिक आरोप लगाने से बच सकते हैं। फाइव आइज रिपोर्ट में 'केस स्टडीज' से यह स्पष्ट है कि समस्या केवल इस्लामिक स्टेट जैसे आतंकवादी समूह ही नहीं हैं। अन्य चरमपंथी समूह, साथ ही धार्मिक या राजनीतिक या अन्य मान्यताओं के अजीबोगरीब मिश्रण वाले चरमपंथी नेटवर्क भी खतरा पैदा करते हैं।

यह समझना महत्वपूर्ण है कि कट्टरपंथ अनिवार्य रूप से एक सामाजिक प्रक्रिया है। इसमें साथियों का एक साथ आना और व्यवहार को बढ़ाना या एक-दूसरे को अधिक चरमपंथी कार्यों के लिए उकसाना शामिल हो सकता है। हालांकि अधिकतर, इसमें एक वयस्क द्वारा नाबालिग को निशाना बनाना और उसे किसी संगठन या कारण हेतु कुछ करने के लिए तैयार करना शामिल होता है, जिसके बारे में युवा व्यक्ति को शुरू में बहुत कम जानकारी होती है।

ट्रंप नोट्रे डेम कैथेड्रल के पुनः खुलने के मौके पर मैक्रों से मिलने पेरिस पहुंचे

पेरिस/एपी

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 2019 में लगी विनाशकारी आग के बाद 'नोट्रे डेम कैथेड्रल' के जीर्णोद्धार के अवसर पर शनिवार को आयोजित समारोह में शामिल होने के लिए पेरिस गए हैं।

यह नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में उनकी पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा है। 'नोट्रे डेम कैथेड्रल' के जीर्णोद्धार के अवसर पर आयोजित समारोह में दुनियाभर के नेता एवं गणमान्य हस्तियां शामिल होंगी।

ट्रंप ने इस सप्ताह की शुरुआत में निमंत्रण स्वीकार करते समय लिखा था कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ''यह सुनिश्चित कर अद्भुत काम किया है कि नोट्रे डेम को उसके गौरव के अनुसार पूरी तरह बहाल किया जाए। यह सभी के लिए एक बहुत ही खास दिन होगा।''

ट्रंप और मैक्रों के संबंध उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं लेकिन पिछले महीने अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को हराकर ट्रंप के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से मैक्रों उनके साथ रिश्ते बेहतर बनाने पर जोर दे रहे हैं। बहरहाल, फ्रांस के राष्ट्रपति के कार्यालय ने ट्रंप को दिए निमंत्रण को ज्यादा तवज्जो नहीं देने की कोशिश करते हुए कहा कि ट्रंप को एक ''मित्र राष्ट्र'' के नव निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में आमंत्रित किया गया है। उसने कहा, ''यह किसी भी तरह से असाधारण नहीं है, हमने पहले भी ऐसा किया है।'' ट्रंप ऐसे समय में फ्रांस की यात्रा कर रहे हैं जब मैक्रों और अन्य यूरोपीय नेता अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति को रूस के आक्रमण के विरुद्ध यूक्रेन को दी जा रही मदद जारी रखने के लिए राजी करने का प्रयास कर रहे हैं।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति के कार्यालय ने कहा कि नोट्रे डेम कार्यक्रम से पहले मैक्रों ट्रंप से और फिर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे।

तृप्ति डिमरी और शाहिद कपूर पहली बार साथ करेंगे स्क्रीन शेयर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री अभिनेत्री तृप्ति डिमरी शाहिद कपूर के साथ पहली बार स्क्रीन साझा करने को तैयार हैं। तृप्ति डिमरी और शाहिद कपूर ने विशाल भारद्वाज की एक्शन फिल्म 'अर्जुन उस्तरा' को साइन किया है। फिल्म की शूटिंग जनवरी 2025 से शुरू होने की उम्मीद है। तृप्ति डिमरी और शाहिद कपूर पहली बार एक साथ स्क्रीन साझा करने के लिए तैयार हैं। दोनों सितारे विशाल भारद्वाज की एक्शन फिल्म 'अर्जुन उस्तरा' में एक साथ दिखेंगे। अभिनेत्री ने विशाल की यह फिल्म साइन की है। फिल्म का प्री-प्रोडक्शन पहले से ही चल रहा है और यह फिल्म 6 जनवरी, 2025 से फ्लोर पर आने वाली है। कहा जा रहा है कि फिल्म के लिए एक बड़ा स्टूडियो बनाया गया है, जो इसके विजन को पूरा करने में मदद करेगा। शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की इस फिल्म के लिए एक भव्य सेट का निर्माण किया जा रहा है। यह फिल्म स्वतंत्रता के बाद के युग में अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि पर आधारित है। निर्माताओं की कोशिश है कि इस फिल्म की शूटिंग को जल्द पूरा करके इसे 2025 में ही एक भव्य रिलीज दिया जाए।

शिल्पा शेट्टी ने मुश्किलों से निपटने का तरीका बताया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने अपने प्रशंसकों को मुश्किलों से निपटने का तरीका बताया है। शिप्पा ने मुश्किलों से निपटने का तरीका अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट पर साझा किया है। शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में एक पोस्ट की। जिसमें एक किताब का पन्ना उन्होंने साझा किया है। इस किताब के पन्ने पर मुश्किलों से निपटने का बहुत ही बेहतरीन तरीका बताया गया है। किताब के पन्नों में लिखा गया है, 'यदि हमारे पास अपना और अपने जीवन में आने वाली परिस्थितियों का मजाक उड़ाने की क्षमता नहीं है तो यह दुनिया एक खराब जगह बन जाएगी। यदि हमारे साथ कोई बुरी घटना हो रही है तो हमें उसे हास्य के जरिए बेहतरीन किस्से और कहानी में बदल देना चाहिए। जब हम इन कहानियों को दोबारा सुनाएं या सुने तो हमें महसूस होना चाहिए कि जिंदगी में जो भी परिस्थिति बनी, हमने उसका पूरी तरह से सामना किया।

एक बार फिर से बड़े पर्दे पर एक्शन करते नजर आएंगे सनी देओल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार अभिनेता एक बार फिर से बड़े पर्दे पर एक्शन करते नजर आएंगे। उनकी अपकमिंग फिल्म 'जाट' का टीजर दुनिया भर में 12,500 स्क्रीन पर अल्लू अर्जुन अभिनीत 'पुष्पा: द रूल' के साथ जारी किया गया है। फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। इस एक्शन फिल्म में रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसंड्रा भी हैं। फिल्म में दमदार एक्शन की तरह ही कहानी भी जबरदस्त है। 'जाट' का संगीत थमन एस ने तैयार किया है। इसकी सिनेमैटोग्राफी ऋषि पंजाबी ने भाली है। इसका संपादन नवीन नूली ने संपादन की देखरेख में किया गया है। एक्शन कोरियोग्राफर अनल अरासु, राम लक्ष्मण और वेंकट की तकनीकी टीम ने शानदार स्टंट और एक्शन सीक्वेंस पेश करने का वादा किया है, जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेंगे। फिल्म का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री ने किया है और यह अप्रैल 2025 में सिनेमाघरों में आने वाली है।

इससे पहले सनी देओल 'गदर 2' में नजर आए थे, जो 2023 में हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई। दरअसल सनी देओल के लिए 2023 एक बेहतरीन साल रहा क्योंकि उनकी सभी फिल्मों ने बॉक्स-ऑफिस पर धमाल मचा दिया, जिसमें धर्मेंद्र अभिनीत 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी', सनी देओल अभिनीत 'गदर 2' शामिल हैं। सनी के पास 'लाहौर 1947' और 'बॉर्डर 2' भी पाइपलाइन में हैं। बॉबी हाल ही में सूर्या अभिनीत 'कंगुवा' में नजर आए थे। आने वाली 3 फिल्मों के साथ, सनी 2025 में शानदार प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

सनी देओल फिल्म जगत का एक चर्चित चेहरा हैं। अभिनेता ने कई फिल्मों में अभिनय किया है। उनकी पहली फिल्म बेताब थी, जो 1983 में रिलीज हुई थी। फिल्म में सनी देओल के साथ अमृता सिंह मुख्य भूमिका में थीं। सनी देओल ने फिल्म जगत को बॉर्डर, गदर, घातक, घायल जैसी शानदार सफल फिल्में दी हैं। इन हिट फिल्मों ने अभिनेता को कभी पीछे मुड़ने नहीं दिया और आज वह एक खास मुकाम पर हैं। सनी देओल के जानदार डायलॉग कान में एक बार पड़ जाएं तो सिनेमाघरों में ताली बजनी तय रहती थी। यह डायलॉग आज भी लोगों के जुबां पर आ जाते हैं। उनकी फिल्म 'घातक' 1996 में सिनेमाघरों में आई थी, जिसके डायलॉग आज भी उतने ही लोकप्रिय है जितने पहले थे।

मैं दुर्घटनावश फिल्म निर्माता बन गया: सुधीर मिश्रा

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय फिल्म निर्देशक एवं पटकथा लेखक सुधीर मिश्रा ने कहा कि वह दुर्घटनावश फ़िल्म निर्माता बन गये। जागरण फिल्म फेस्टिवल (जेएफएफ)में यहां उपस्थित प्रसिद्ध कलाकार और फिल्म उद्योग के दिग्गज शामिल हुए। इन्हीं में से एक था सुधीर मिश्रा का प्रेरणादायक पैनल डिस्कशन, जिसमें उन्होंने भारतीय सिनेमा के बदलते परिदृश्य विषय पर अपने विचार साझा किए। स्वतंत्र भारतीय सिनेमा के प्रख्यात निर्देशक सुधीर मिश्रा, जो सामाजिक और विचारोत्तेजक विषयों पर आधारित फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, ने इस सत्र को डिम्पी मिश्रा के साथ प्रस्तुत किया। अपनी सिनेमा यात्रा को याद करते हुए सुधीर मिश्रा ने कहा, मैं दुर्घटनावश फिल्म निर्माता बन गया।

सच्ची कहानियों के निर्माण पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, जब आपके पास जिज्ञासा और खुला दिमाग होता है, तो आप लोगों और उनकी कहानियों को बेहतर समझ सकते हैं। वर्गवाद और पूर्वाग्रहों को छोड़ना होगा। जब आप उन कहानियों में गहराई से उतरते हैं जिनसे आप खुद को नहीं जोड़ सकते, तभी आप उन्हें प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर सकते हैं। मैं एक एंटीना की तरह हूं, कहानियों को आकर्षित करता हूं।

तेज़ी से बदलती फिल्म इंडस्ट्री में रचनात्मकता की भूमिका पर सुधीर मिश्रा ने कहा, मुझे आज की युवा पीढ़ी से ईर्ष्या नहीं होती। अब औसत दर्जे की कोई गुंजाइश नहीं है। एआई साधारण कहानियां लिख सकता है, लेकिन सच्चा जुनून और जोश अपूरणीय है। अगर आपके पास मौलिकता की कमी है, तो आप अलग नहीं दिखेंगे। अपनी रचनात्मक प्रक्रिया पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, सिनेमा एक निरंतर पुनर्लेखन की प्रक्रिया है। अगर मैं पहले से ही कहानी का अंत और शुरुआत जानता हूं, तो यह मुझे रुचिकर नहीं लगती। अपने उत्तराधिकार (लीगेसी) पर पूछे गए सवाल पर सुधीर मिश्रा ने कहा, यदि मैंने अपने काम के साथ न्याय किया है, तो दुनिया मुझे याद रखेगी। अगर नहीं, तो मुझे भुला दिया जाना चाहिए। फिल्म निर्माता इस उद्योग के निर्माणकर्ता हैं। हमें अपनी फिल्मों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, न कि अपनी लीगेसी पर।

ऐश्वर्या राय के साथ फ्रेम में मुस्कुराती नजर आईं आराध्या

मुंबई/एजेन्सी

तलाक की अफवाहों के बीच बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय हाल ही में बेटी आराध्या बच्चन के साथ एक शादी में शामिल हुईं। इस कार्यक्रम से मां-बेटी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल है। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीर में अभिनेत्री हल्के गुलाबी रंग का लहंगा पहने हैं। दूसरी ओर, आराध्या ने मैचिंग पीले रंग का लहंगा पहन रखा है।

वायरल तस्वीर में अभिनेत्री की मां बृंदा राय भी नजर आईं। सोशल मीडिया पर प्रशंसक ऐश्वर्या और आराध्या की इस तस्वीर की तुलना 2012 की मां और बेटी की एक पुरानी तस्वीर से करते नजर आए, जब आराध्या केवल एक साल की थीं। पुरानी तस्वीर में ऐश्वर्या, आराध्या को गोद में ली हुई हैं।

ऐश्वर्या के एक प्रशंसक ने लिखा, आराध्या ऐश जितनी लंबी हो गई हैं। आराध्या ने 16 नवंबर को अपना जन्मदिन मनाया। बर्थडे पार्टी से कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल थीं, जिसमें ऐश्वर्या और आराध्या के साथ अभिषेक बच्चन भी नजर आए थे। ये तस्वीरें उन अफवाहों का भी जवाब हैं, जो ऐश-अभिषेक के अलगाव या तलाक की खबरों को हवा देती हैं।

वायरल एक वीडियो में अभिषेक अपनी बेटी आराध्या के जन्मदिन के आयोजन और उनके इवेंट में सहयोग के लिए इवेंट ऑर्गनाइज करने वाली कंपनी के मालिक का आभार व्यक्त करते दिखाई दिए थे।

इससे पहले ऐश्वर्या ने 21 नवंबर को अपने पिता कृष्णा राय के जन्मदिन पर आराध्या के जन्मदिन के जश्न की तस्वीरें साझा की थीं। तस्वीरों में ऐश्वर्या और उनकी मां बृंदा, आराध्या के साथ, कृष्णा राय को फूलों से श्रद्धांजलि देते हुए दिखाई दिए थे। मीडिया में अभिषेक और ऐश्वर्या के बीच झगड़े की खबरों को लगाम लगाते हुए हाल ही में दोनों की एक और तस्वीर सामने आई, जिसमें दोनों साथ में मुस्कुराते हुए पोज देते नजर आए थे।

'वनवास' की कहानी दिल को छू गई : नाना पाटेकर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का कहना है कि जब उन्होंने फिल्म वनवास की कहानी पहली बार सुनी तो वह उनके दिल को छू गयी। गदर 2 की जबरदस्त सफलता के बाद, निर्देशक अनिल शर्मा अब अपनी नई फिल्म वनवास के साथ एक और इमोशनल और सोचने पर मजबूर करने वाली कहानी पेश करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में नाना पाटेकर उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर लीड रोल्स में हैं।गदर: एक प्रेम कथा जैसी फिल्मों के लिए जाने जानें वाले अनिल शर्मा ने इस इमोशनल ड्रामा को डायरेक्ट और प्रोड्यूस करने के साथ ही लिखा भी है। फिल्म वनवास में लीड रोल निभा रहे नाना पाटेकर ने कहा, जब भी मैं कोई फिल्म देखने जाता हूं, यदि मुझे स्क्रीन पर दिख रहे किरदारों से जुड़ाव महसूस होता है, तो वो फिल्म पर्सनल लगने लगती है। ऐसा लगता है जैसे वो कहानी हमारे साथ है। इसी तरह की फिल्म वनवास है।यह जुड़ाव इतना गहरा होगा कि ये हर घर की कहानी लगने लगेगी। जब मैंने पहली बार ये कहानी सुनी, तो मुझे बहुत अंदर से छू गई। एक आम इंसान के तौर पर, ये मुझे बहुत पसंद आई। इसमें कुछ खास नहीं है, बस अपनी पुरानी यादों को याद करने और उन्हें जिंदगी में लाने की ज़रूरत है।

अनिल शर्मा ने कहा है कि वनवास उनके लिए एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट है, क्योंकि यह प्यार, बलिदान और परिवारिक रिश्तों की जटिलताओं पर आधारित है। यह फिल्म उन इमोशंस को दिखाती है, जिन्हें हम अक्सर अपने अंदर छिपा कर रखते हैं। ये सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि परिवार, सम्मान और अपनापन की असली समझ की एक यात्रा है। नाना पाटेकर, उत्कर्ष, सिमरत, और राजपाल यादव ने अपने किरदारों में बेमिसाल गहराई और सच्चाई डाली है। मैं दर्शकों द्वारा सिल्वर स्क्रीन पर इन परफॉर्मेंस देखने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। अनिल शर्मा द्वारा लिखी, निर्मित और निर्देशित फिल्म वनवास 20 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म ज़ी स्टूडियोज द्वारा वर्ल्डवाइड रिलीज की जाएगी।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्रप्रसाद की 140वीं जयंती के अवसर पर सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन, राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट, सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद ने बेंगलूरु हॉस्पिटल्स, हनुमान ऑप्टिशियन, हैप्पी टीथ डेंटल क्लिनिक, एक्यूप्रेशर हीलिंग सेंटर के सहयोग से मुफ्त मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन बिहार भवन में किया गया।

नेत्र जांच शिविर में 41 मरीजों ने कराई जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिकबल्लापुर। शहर के महावीर जैन संघ एवं प्रोजेक्ट दृष्टि के संयुक्त तत्वावधान में 242वां नेत्र जांच शिविर सम्पन्न हुआ जिसमें 41 मरीजों ने नेत्र परीक्षण करवाया तथा 22 मरीजों का नेत्र ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। स्थानीय जैन मिशन हॉस्पिटल के डॉ नरपत सोलंकी द्वारा सभी मरीजों का ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद सभी मरीजों को अस्पताल से छुट्टी दे गई। यह जानकारी संघ व अस्पाल के मंत्री उत्तमचन्द कोठारी ने दी।

देवी उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कल्याणनगर क्षेमाभिवृद्धि संघ एवं कल्याणनगर युवक संघ के संयुक्त तत्वावधान में नगर देवता अण्णाम्मा देवी उत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। मुणोत ने मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया । संघ के सोमशेखर ने मुणोत को सम्मानित किया।

विरोध मार्च

मेरठ में शनिवार को बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता और पदाधिकारी विरोध मार्च में हिस्सा लेते हुए।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे भारतीय मूल के अमेरिकी

वाशिंगटन/भाषा

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के विरोध में भारतीय मूल के कई अमेरिकी अगले दो दिनों में अमेरिका की राजधानी और शिकागो में शांतिपूर्ण रैलियां आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। यह जानकारी आयोजकों ने दी।

'जेनोसाइड ऑफ हिंदूज इन बांग्लादेश' (बांग्लादेश में हिंदुओं का नरसंहार) के विरोध में मार्च का आयोजन हिंदू एक्शन द्वारा सोमवार, नौ दिसंबर को व्हाइट हाउस के पास किया जा रहा है, जबकि 'स्टॉप द जेनोसाइड: सेव हिंदू लाइव्स इन बांग्लादेश' (नरसंहार रोकें: बांग्लादेश में हिंदुओं का जीवन बचाएं) का आयोजन रविवार, आठ दिसंबर को शिकागो में समुदाय के प्रतिष्ठित नेताओं द्वारा किया जा रहा है।

पिछले कई महीनों में बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ़ अपराध का दस्तावेजीकरण करने के लिए भारतीय मूल के अमेरिकियों द्वारा गठित 'डब्ल्यूडब्ल्यूडॉटस्टॉपहिंदूजेनोसाइड' ने कहा, ''बांग्लादेश में स्थिति सिर्फ एक क्षेत्रीय संकट नहीं है, यह वैश्विक निहितार्थों के साथ एक मानवीय आपदा है। नरसंहार मानवता के खिलाफ अपराध है। हस्तक्षेप करना, सुरक्षा करना और आगे के अत्याचारों को रोकना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ज़िम्मेदारी है।'' इसने कहा कि हाल के दिनों में हिंदुओं के खिलाफ क्रूरता चौंकाने वाले स्तर तक बढ़ गई है।

'हिंदूऐक्शन' के कार्यकारी निदेशक उत्सव चक्रवर्ती ने अमेरिका के निवर्तमान बाइडन-हैरिस प्रशासन से बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ कट्टरपंथी इस्लामी चरमपंथियों द्वारा हिंसा को और अधिक बढ़ने से रोकने के लिए हर संभव उपाय करने का आह्वान किया।

मुस्लिम बहुल बांग्लादेश में पांच अगस्त को शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से 50 से अधिक जिलों में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर 200 से अधिक हमले हुए हैं।

भारत की समावेशी वृद्धि की अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने सराहना की : के सुब्रमणयम

वाशिंगटन/भाषा। देश के शीर्ष अर्थशास्त्री और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यकारी निदेशक कृष्णमूर्ति वी सुब्रमण्यम ने कहा कि दुनिया भारत को लेकर आशावादी है। उन्होंने कहा कि भारत के सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे और समावेशी वृद्धि के बारे में न सिर्फ चर्चा हो रही है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इसकी सराहना भी रह रहा है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था कुल मिलाकर बहुत अच्छी तरह से बढ़ रही है। कोविड के बाद, वृद्धि दर लगातार सात प्रतिशत रही है। बेशक, इस तिमाही में थोड़ी गिरावट आई है। आंशिक रूप से यह पूंजीगत व्यय में मंदी के कारण है। साथ ही, निर्यात पर भी कुछ प्रभाव पड़ा है। लेकिन मुझे लगता है कि यह गिरावट अस्थायी होगी।'' भारत के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार सुब्रमण्यन ने हाल में एक किताब 'इंडिया100' लिखी है। उन्होंने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, ''आईएमएफ बोर्ड में बैठने के बाद से मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि दुनिया भारत को लेकर आशावादी है। भारत ने जिस तरह का सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचा बनाया है, उसका जिक्र मेरे बोर्ड के लगभग हर साथी अक्सर करते हैं। वे इसकी ईमानदारी से सराहना करते हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने जिस तरह की समावेशी वृद्धि की है, उसकी भी सराहना की जानी चाहिए।

बिहार भवन में आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 120 लोग हुए लाभान्वित

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय शिविर में हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्रप्रसाद की 140वीं जयंती के अवसर पर सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन, राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट, सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद ने बेंगलूरु हॉस्पिटल्स, हनुमान ऑप्टिशियन, हैप्पी टीथ डेंटल क्लिनिक, एक्यूप्रेशर हीलिंग सेंटर के सहयोग से मुफ्त मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन बिहार भवन में किया गया जिसमें बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे। इस मौके पर आयोजकों ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने स्वास्थ्य जांच शिविर के उपयोगिता का महत्त्व बताते हुए कहा कि इस प्रकार के जनउपयोगी कार्य होते रहना चाहिए। इस तरह के शिविरों से गंभीर बीमारी का प्रारंभिक दौर पर ही पता चल जाता है जिससे रोग का सही उपचार व सही समय पर किया जा सकता है। उन्होंने सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन और डॉ राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के काम की सराहना की तथा शिविर में सेवा में देने वाले सभी डाक्टरों का सम्मान किया। फाउंडेशन के सीईओ बिकाश कुमार ने बताया कि शिविर में करीब 120 लोगों ने नेत्र परीक्षण, रक्तचाप की जांच, ईसीजी, शरीर विश्लेषण, दंत जांच, हृदय जांच के साथ साथ विभिन्न अन्य जांच करवाई पर सभी को चिकित्सा परामर्श दिया गया। सेवा ब्रिगेड के संस्थापक प्रवीण पांडे, बिकाश कुमार, नितिन शर्मा , प्रभात मिश्रा, राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के राजेश्वर सिंह ,रामलखन सिंह उदय कुमार,एचसी झा ने स्वास्थ्य शिविर की पहल की।विभिन्न संस्थाओं के सदस्यों ने चिकित्सा शिविर में सहयोग किया। राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश्वरसिंह, सचिव रामलखन सिंह और सेवा ब्रिगेड के संयुक्त कोषाध्यक्ष प्रभात मिश्रा आदि ने धन्यवाद दिया।

कुक्के सुब्रह्मण्य मंदिर में भव्य चंपाषष्ठी रथ उत्सव का आयोजन, हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण कन्नड़ जिले के कुक्के सुब्रह्मण्य मंदिर में शनिवार सुबह भव्य चंपाषष्ठी रथ उत्सव का आयोजन किया गया। मंदिर के वार्षिक रथ उत्सव का देखने के लिए हजारों श्रद्धालु इकट्ठा हुए। मंदिर के देवता भगवान सुब्रह्मण्य को सजे हुए रथ में मंदिर की सड़कों पर यात्रा के रूप में ले जाया गया। मंदिर के आसपास रंग-बिरंगी रोशनी और सजावट से वातावरण और भी उत्सवपूर्ण हो गया। इस उत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रदर्शनियां भी आयोजित की गईं। यात्रा के लिए इस्तेमाल किया गया रथ बांस से बना था, जो इस उद्देश्य के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पारंपरिक सामग्री है। परंपरा के अनुसार, बांस के रथ का एक टुकड़ा उत्सव में हिस्सा लेने वाले भक्तों को प्रसाद (आशीर्वाद) के रूप में दिया जाता है।

जिले के विभिन्न भागों, राज्य और यहां तक ङ्कङ्ककि अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु इस उत्सव में भाग लेने के लिए एकत्रित हुए थे। मंदिर के अधिकारियों ने उत्सव के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्था की थी। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, चंपाषष्ठी का त्यौहार हर साल मार्गशीर्ष महीने के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाता है।

यह शुभ दिन बहुत महत्व रखता है क्योंकि यह भगवान शिव के मार्कंडेय रूप और उनके पुत्र भगवान कार्तिकेय की पूजा के लिए समर्पित है। खासकर कर्नाटक और महाराष्ट्र राज्यों में चंपा षष्ठी को भव्यता और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

अलास्का के सबसे बड़े शहर के पास ज्वालामुखी के नीचे भूकंप ने चिंता बढ़ाई

एंकरेज (अलास्का)/एपी। अलास्का के सबसे बड़े शहर के निकट ज्वालामुखी के नीचे इस साल भूकंप की बढ़ती घटनाओं ने भूवैज्ञानिकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। एंकरेज से लगभग 129 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में ज्वालामुखी 'माउंट स्पर' पिछली बार 1992 में फटा था और इस दौरान लगभग 19 किलोमीटर दूर तक इसकी राख हवा में फैल गई थी जिसके कारण उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और लोगों को मास्क लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा था। अलास्का ज्वालामुखी वेधशाला के अनुसार ज्वालामुखी में एक और विस्फोट शहर के लिए विनाशकारी साबित हो सकता है।वेधशाला ने अक्टूबर में भूकंप से जुड़ी गतिविधि बढ़ने और उपग्रह के आंकड़ों से जमीन की स्थिति देखने के बाद 'माउंट स्पर' के लिए अलर्ट की श्रेणी को 'येलो' तक बढ़ा दिया। वेधशाला के वैज्ञानिक डेविड फी ने शुक्रवार को बताया कि इस साल ज्वालामुखी के नीचे कम तीव्रता वाले लगभग 1,500 भूकंप आए जो साल भर में सामान्य तौर पर आने वाले लगभग 100 भूकंप से काफी अधिक हैं। फी ने कहा कि इनकी संख्या बहुत ज्यादा लग सकती है लेकिन यह ''उतने भी अधिक नहीं है।'' यह ज्वालामुखी के फटने के संबंध में एक संकेत हो भी सकता है या नहीं भी। इससे पहले 2004 से 2006 तक भूकंप से जुड़ी इसी तरह की गतिविधियां देखी गई थीं लेकिन उस दौरान कोई गंभीर विस्फोट नहीं हुआ। फी ने कहा, हमें अपने आकड़ों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं दिख रहा है जो हमें बता सके कि विस्फोट आसन्न है।

ओटीटी मंच पर 'स्त्री 2', 'औरो में कहां दम था' को सुलभ बनाने की मांग को लेकर याचिका दायर

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दो दृष्टिबाधित व्यक्तियों की याचिका पर 'स्त्री 2' और 'औरो में कहां दम था' के निर्माताओं तथा ओटीटी मंच अमेजन से जवाब मांगा है। याचिका में फिल्मों को दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए सुलभ बनाने को लेकर निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने अक्षत बलदवा और राहुल बजाज की याचिका पर निर्माताओं, ओटीटी मंच के साथ-साथ केंद्र को नोटिस जारी किया ।

अजीब विडंबना है; पहले गांव से निकलना चाहता था, अब गांव लौटना चाहता हूं : मनोज वाजपेयी

नई दिल्ली/भाषा। संजीदा और सार्थक किरदारों के पर्याय अभिनेता मनोज वाजपेयी की एक समय बिहार के अपने छोटे से गांव से निकल कर जिंदगी में कुछ बड़ा करने की ख्वाहिश थी। और अब जब यह सपना पूरा हो गया है तो उन्हें अपने गांव की याद बहुत सताती है और वह उन्हीं पगडंडियों से अपने गांव लौटना चाहते हैं।

'द्रोहकाल', 'सत्या' 'बैंडिट क्वीन', 'शूल', 'जुबैदा', 'राजनीति', 'गैंग्स आफ वासेपुर', 'अलीगढ़' और 'सोनचिरिया' जैसी फिल्मों में सफलता के नए मानक तय करने वाले मनोज वाजपेयी कहते हैं, '' ये एक विडंबना है कि जब मैं वहां था तो उस जगह से निकलना चाहता था। अब उस परमात्मा ने एक ऐसी जिंदगी दी है और सब हासिल कर लिया है, तो वहीं लौटने का मन करता है।''

मनोज बिहार से आकर दिल्ली के थियेटर में करीब एक दशक तक रमे रहे और उसके बाद मुंबई चले गए। अलग अलग समय पर मनोज अलग अलग जगहों पर रहे हैं। लेकिन वह कहते हैं,'घर तो हमेशा बेलवा ही रहेगा'' जो बिहार में उनका पैतृक गांव है।

वह बिहार की ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकल कर मुंबई के सिल्वर स्क्रीन पर अपने विविधतापूर्ण अभिनय की छाप छोड़ने वाले पहले अभिनेता रहे। उनसे पहले बिहार से आने वाले शत्रुघ्न सिन्हा हालांकि फिल्मों में अपनी धाक जमा चुके थे।

मनोज वाजपेयी ने यहां समाचार एजेंसी पीटीआई के मुख्यालय में एक विशेष साक्षात्कार के दौरान कहा, ''मुझे पता चला कि 'सत्या' देखने के बाद न केवल मेरे गांव और जिले के बल्कि राज्य के दूसरे हिस्सों से भी लड़के लोग घरों से बाहर निकलने लगे। वो सभी अभिनेता नहीं बनना चाहते थे लेकिन बहुत से लड़कों ने तो ये सोचकर गांव-घर छोड़ा कि जब ये लड़का बॉलीवुड में पहुंच सकता है तो हम भी अपनी जिंदगी में कुछ बड़ा, कुछ मनचाहा कर सकते हैं।'' मनोज कहते हैं कि अपनी आराम की जिंदगी से निकलने और कुछ करने का साहस उन लोगों में उससे पहले नहीं था क्योंकि वहां इस प्रकार का कोई ढांचा ही नहीं था।

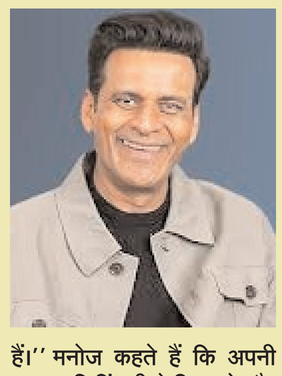

उनका कहना था, '' शत्रु जी के मामले में तो हर कोई जानता है कि वह धनाढ्य परिवार से आते हैं और पटना से ताल्लुक रखते हैं। उन्हें तो दिल्ली पहुंचने के लिए केवल एक ट्रेन पकड़नी थी। हम लोगों को पहले ट्रैक्टर पकड़ना होता, उसके बाद बस और उसके बाद दिल्ली के लिए ट्रेन में सवार होना पड़ता था। केवल पटना पहुंचने के लिए ढाई दिन लगते थे।'' भीखू म्हात्रे का एक डॉयलाग 'मुंबई का किंग कौन' अब सिनेमा के इतिहास का हिस्सा है लेकिन इस किरदार के चयन की कहानी भी काफी रोचक है।

मनोज वाजपेयी 1997 में राम गोपाल वर्मा की 'दौड़' के लिए ऑडिशन देने गए थे जिसमें संजय दत्त और उर्मिला मातोंडकर हीरो हीरोइन थे। ये 'बैंडिट क्वीन' के बाद की बात है जिससे उन्हें पहचान तो मिली थी लेकिन असली ब्रेक नहीं मिला था।

मनोज कहते हैं, '' जब फिल्म रिलीज हुई तो हर दूसरे अभिनेता के पास इंडस्ट्री में काम था। केवल एक अकेला मैं था जिसके पास कोई काम नहीं था।''

उन्हें वह ऑडिशन एकदम ऐसे याद है जैसे कल की ही बात हो। '' जब रामू (रामगोपाल वर्मा) को पता चला कि चार साल पहले 'बैंडिट क्वीन' में मैंने ही मान सिंह का किरदार निभाया था तो उन्होंने मुझे बताया कि वह चार पांच साल से मुझे ढूंढ़ रहे थे, लेकिन किसी को मेरे बारे में ज्यादा पता नहीं था।'' रामू ने कहा, तुम यह भूमिका (दौड़ फिल्म) मत करो। मैं अपनी अगली फिल्म बना रहा हूं और उसमें तुम मुख्य भूमिका करोगे।''

लेकिन वाजपेयी ने जोर देकर कहा कि उन्हें यह फिल्म करनी ही पड़ेगी। मैंने कहा, '' सर, मुझे ये रोल दे दो और जब वो फिल्म करो तो बाद में आप मुझे उसमें ले सकते हो। इसके लिए मुझे 35,000 रूपये मिल रहे हैं । इस समय ये मौका मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।''

रामू ने मनोज से किया अपना वह वादा निभाया।

'सत्या' के बाद बहुत मुश्किल और लंबा सफर शुरू हुआ लेकिन वाजपेयी इसे संघर्ष नहीं कहते। मनोज का मानना था, ''असली संघर्ष तो एक रिक्शावाले का होता है। अगर वो एक दिन भी रिक्शा नहीं खींचेगा तो वह कमा नहीं पाएगा। यह उसका सपना नहीं है....हम तो अपने सपनों के पीछे भाग रहे हैं। ये संघर्ष नहीं है।''

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com